दैनिक
सच्चे दिन

वर्ष-06 | अंक-205 | प्रात:कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, गुरूवार 29 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपये

एमपी से राज्यसभा जाएंगे केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी



मुरुगन के इस्तीफे के बाद सीट खाली हुई थी; 12 नवंबर को उपचुनाव

भोपाल। भाजपा ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को मध्य प्रदेश से राज्यसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने 28 अक्टूबर को उनके नाम की घोषणा की। पुरी केंद्र सरकार में पेट्रोलियम मंत्री हैं। यह सीट केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। उन्होंने 14 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्रिपरिषद और राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इस सीट पर 12 नवंबर को मतदान होगा। इसी दिन शाम 5 बजे काउंटिंग होगी।

चुनाव जीतने के लिए कितने विधायकों का समर्थन चाहिए

मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए सामान्य स्थिति में 116 मतों का कोटा है। हालांकि, कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा मतदान में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। ऐसे में 229 विधायकों के आधार पर चुनावी गणित तय होगा और जीत का कोटा निर्धारित नियमों के अनुसार तय किया जाएगा।बीना विधायक निर्मला सप्रे की स्थिति भी अहम है। वे खुद को कांग्रेस में बताती हैं, लेकिन भाजपा के कार्यक्रमों में भी नजर आती रही हैं। दलबदल से जुड़े मामले के कारण उनकी स्थिति स्पष्ट नहीं है। उनके वोट को लेकर तस्वीर साफ होने के बाद ही दोनों दलों की प्रभावी संख्या का सटीक आकलन हो सकेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 का किया शुभारंभ

इंदौर, उज्जैन और भोपाल को मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य जारी : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के शहरों को आधुनिक, निवेश-अनुकूल, पर्यावरण-संवेदनशील और नागरिक-केंद्रित बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इंदौर, उज्जैन और भोपाल को मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य तेजी से किया जा रहा है। वर्ष 2047 तक इस क्षेत्र में लगभग 20 लाख रोजगार के अवसर सृजित करने, 12 से 15 नई टाउनशिप विकसित करने तथा 25 से 30 हजार एकड़ इंदौर फ्यूचर सिटी में लगभग 5 हजार एकड़ क्षेत्र में आवास, उद्योग और रोजगार आधारित विकास किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को इंदौर में आयोजित अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 को संबोधित कर रहे थे।



जल प्रबंधन और धार्मिक पर्यटन को मिलेगा प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा शहरी अधोसंरचनात्मक विकास, जल प्रदाय एवं सीवरेज सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और सतत शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए 06 महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया।विकास प्राधिकरण और इंडियन ओवरसीज बैंक के बीच 643.39 करोड़ रुपये की बैंक ऋण व्यवस्था, इंदौर में जल प्रदाय एवं सीवरेज परियोजनाओं के लिए इंदौर नगर निगम और बैंक ऑफ इंडिया के बीच 1,320.42 करोड़ का ऋण अनुबंध तथा रीवा में जल प्रदाय योजना के क्रियान्वयन के लिए रीवा नगर निगम और एचडीएफसी बैंक के बीच 50 करोड़ की वित्तीय व्यवस्था के समझौते शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों एवं निवेशकों से की वन-टू-वन चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉन्क्लेव में विभिन्न उद्योगपतियों एवं निवेशकों से वन-टू-वन चर्चा की। चर्चा में नगरीय विकास, आधुनिक टाउनशिप, नवकरणीय ऊर्जा, पर्यटन, डिजिटल तकनीक और अधोसंरचना के क्षेत्र में निवेश एवं विस्तार की संभावनाओं से जुड़े विषय शामिल रहे। डेला ग्रुप के संस्थापक एवं सीएमडी श्री जिमी मिस्त्री ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से वन-टू-वन चर्चा की। इस दौरान भोपाल में 220 एकड़ क्षेत्र में प्रस्तावित 2,250 करोड़ रूपये की डेला रेसकोर्स परियोजना पर चर्चा हुई। परियोजना में लक्जरी विला, ब्रांडेड रेसिडेंस, पांच सितारा वाइल्डलाइफ रिसॉर्ट तथा घुड़सवारी एवं पोलो की सुविधाएँ विकसित करने की योजना है।

शहरी विकास के लिये 3 ड्रॉफ्ट पॉलिसी जनपरामर्श के लिए की गई प्रस्तुत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और अन्य अतिथियों ने कॉन्क्लेव में शहरी विकास को अधिक समावेशी, सुव्यवस्थित एवं सतत बनाने के उद्देश्य से तीन ड्राफ्ट पालिसी जनपरामर्श के लिए प्रस्तुत कीं। मध्यप्रदेश अर्बन अफोर्डेबल हाउसिंग एंड हैबिटेट नीति, 2026 के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में किफायती आवास की उपलब्धता बढ़ाने, निजी निवेश को प्रोत्साहित करने, किराये के आवास, इन-सीटू पुनर्विकास और शासकीय भूमि के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। मध्यप्रदेश ट्रीटेड वेस्ट वॉटर रिसाइक्लिंग एंड रीयूज पॉलिसी, 2026 के अंतर्गत शोधित अपशिष्ट जल का उद्योग, निर्माण, उद्यानिकी, लैंडस्केपिंग एवं अन्य गैर-पेयजल प्रयोजनों में पुन: उपयोग प्रोत्साहित किया जाएगा।

केंद्रीय कर्मियों को बड़ा तोहफा | 48 लाख कर्मचारियों | 68 लाख पेंशनर्स को फायदा | नई दरें 1 जुलाई, 2026 से

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3 फीसदी बढ़कर 63 फीसदी हुआ

नई दिल्ली। दिवाली से पहले केंद्र सरकार ने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता 3 प्रतिशत बढ़ा दिया है। बुधवार 28 अक्टूबर को हुई कैबिनेट मीटिंग में डीए बढ़ोतरी पर फैसला हुआ। इस बढ़ोतरी से महंगाई भत्ता 60त से बढ़कर 63 प्रतिशत हो जाएगा। इससे लगभग 48 लाख कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा। नई दरें 1 जुलाई, 2026 से लागू मानी जाएंगी। सरकार इसपर 10 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी। केंद्रीय कर्मियों के महंगाई भत्ते और राहत के मद में कुल 10,016 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। डीए और डीआर बढ़ने से 1.17 करोड़ से अधिक केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को फायदा होगा।

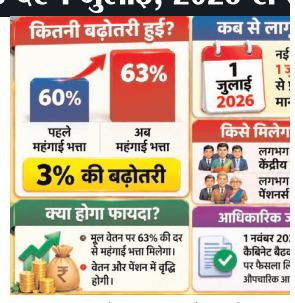


गत वर्ष भी डीए में हुई थी 3 फीसदी वृद्धि

कैलकुलेटर बदलने की मांग

वर्कर्स द्वारा कैबिनेट सचिव से यह मांग की गई है कि महंगाई भत्ता/महंगाई राहत यानी डीए/डीआर की गणना का कैलकुलेटर बदला जाए। डीए की दर तय करने के लिए 12 महीने के औसत को तीन महीने के औसत से बदला जाना चाहिए।

केंद्र सरकार ने एक जुलाई 2025 से अपने कर्मचारियों और पेंशनरों के महंगाई भत्ते एवं महंगाई राहत में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी। इसके बाद डीए/डीआर की दर 58 पर पहुंच गई। एक जनवरी 2026 से डीए/डीआर की दरों में दो फीसदी बढ़ोतरी हुई। अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (औद्योगिक श्रमिक) की रिपोर्ट ने भी ऐसा ही संकेत दिया था।



मूल वेतन और पेंशन विलय नहीं हुआ डीए/डी

डीए/डीआर की दर जब फीसदी के पार हो जाती नियमानुसार उसे मूल वेतन और विलय करना चाहिए। एक जनव को डीए, पचास प्रतिशत हो च उसके बावजूद डीए को बेसिक मर्ज नहीं किया गया। आठ आयोग की सिफारिशें भी दो स ही लागू हो सकेंगी। वित्त रा पंकज चौधरी संसद में कह चु सरकार, ऐसा कोई विलय नहीं करेगा।

कोलकाता- प्रेम संबंध का मामला

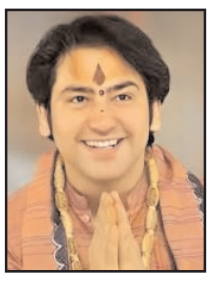
बेटे-पिता समेत 3 लोगों को निर्वस्त्र कर सड़क पर घुमाया



कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के कोलकाता के बेहाला इलाके में प्रेम संबंध को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवती के परिवार वालों ने एक युवक, उसके पिता और दोस्त के साथ मारपीट की। इसके बाद तीनों के पूरे कपड़े उतारकर इलाके में घुमाया गया। पुलिस के मुताबिक, घटना रविवार को सरसुना थाना क्षेत्र के बसुंधरा पार्क में हुई। युवक और युवती के बीच प्रेम संबंध था। आरोप है कि युवती के परिवार वालों ने दोनों को साथ देखकर युवक और उसके दोस्त को पकड़ लिया। इसके बाद युवक को एक कमरे में बंद कर उसके साथ मारपीट की गई। पुलिस ने इस मामले में युवती के पिता और मामा समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना का कथित वीडियो वायरल होने के बाद इलाके में तनाव फैल गया। नाराज स्थानीय लोगों ने युवती के घर में तोड़फोड़ करने की कोशिश की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस के पहुंचने से पहले युवती के परिवार के कुछ सदस्य वहां से फरार हो गए। वहीं, स्थानीय लोगों ने युवती के मामा को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

धीरेंद्र शास्त्री ने करवा चौथ का नाम 'खसम पूजन-दिवस' बताया

बोले- पत्नियां एक दिन व्रत रखती हैं, फिर 364 दिन पतियों को ताने मारती हैं



खजुराहो। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने करवा चौथ को 'खसम पूजन दिवस' बताया है। शास्त्री शिवपुरी के करैरा में सात दिवसीय श्रीराम कथा कर रहे हैं। सोमवार को 'सीधी बात' सेशन के दौरान एक अनुयायी ने करवा चौथ का व्रत रखने को लेकर सवाल पूछा। इस पर शास्त्री ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक दिन व्रत रखकर बाकी 364 दिन पतियों को ताने नहीं देने चाहिए। ये न कहें कि कहां से मिल गए, कौन से मुहूर्त में शादी हुई थी, इससे अच्छा तो हम ऐसे ही मर जाते। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने आगे कहा कि व्रत रखना चाहिए, पाश्चात्य संस्कृति के इस दौर में शास्त्रों में भले ही इसका बहुत कड़ा विधान न मिलता हो, लेकिन एक संकल्प जरूर लेना चाहिए।

एमएलसी चुनाव नतीजों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर कसा तंज, कहा-

चुनाव बैलेट से हुए, कांग्रेस कितनी सीटें जीती



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में विधान परिषद की 28 सीटों पर हुए चुनाव का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर सवाल उठाया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि चार बड़े राज्यों में एमएलसी की 28 सीटों पर चुनाव हुए और मतदान बैलेट पेपर यानी मतपत्रों के जरिए कराया गया। इसके बाद उन्होंने पूछा कि कांग्रेस ने कितनी सीटें जीतीं। पीएम मोदी की इस पोस्ट में चुनाव के तरीके और कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर सवाल किया गया है। इन चार राज्यों के चुनाव में अलग-अलग दलों के बीच मुकाबला हुआ है। उपलब्ध नतीजों और रुझानों में भाजपा और उसके सहयोगी दलों का प्रदर्शन भी सामने आया है।

अब तक के नतीजे/रूझान क्या?

एनडीए 17		विपक्ष 08		अन्य 1	निर्दलीय 2
कर्नाटक	4	कर्नाटक	0	1	2
यूपी	6	यूपी	5		
बिहार	4	बिहार	1		
महाराष्ट्र	3	महाराष्ट्र	2		

चुनाव से पहले : एनडीए 15, विपक्ष 8, अन्य 0, निर्दलीय 5

रिसर्च काउंटरपॉइंट की रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक ह्यूमनॉइड रोबोट के कारण रैम की मांग 20 गुना बढ़ेगी

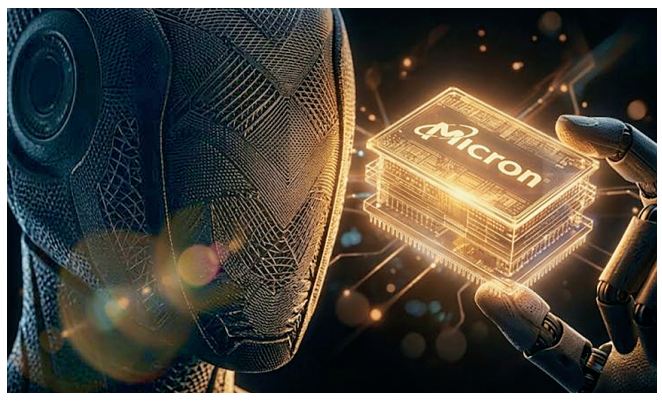
अब रोबोट्स के लिए बढ़ेगी धरती पर रैम की डिमांड

नई दिल्ली (एजेंसी)

एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) डेटा सेंटरों की मांग के कारण मेमोरी चिप्स इन दिनों सबसे ज्यादा मांगी जाने वाली चीज बन गई हैं। इस कारण लगातार स्मार्टफोन समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स के दाम बढ़ते जा रहे हैं। अगर आपको लग रहा है कि जल्द ही यह दौर थमने वाला है तो ऐसा नहीं है।

एक्स के मालिक एलन मस्क का कहना है कि जब दुनिया में ह्यूमनॉइड रोबोट यानी इंसान जैसे दिखने वाले रोबोट का बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन शुरू होगा, तो स्थिति और भी गंभीर हो जाएगी। इसका मतलब है कि मस्क साफ तौर पर कहना चाह रहे हैं कि रैम और मेमोरी चिप्स की मांग अभी आगे आने वाले समय में और भी बढ़ने वाली है। मस्क ने कहा है कि रोबोट की रैम की जरूरतें धरती पर बाकी सब चीजों से ज्यादा होंगी यानी इसकी डिमांड सबसे ज्यादा होगी। एलन मस्क ने एक्स पर एक थ्रेड का जवाब देते हुए मेमोरी चिप की बढ़ती मांग के बारे में बताया है।

बता दें कि थ्रेड में काउंटरपॉइंट रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आने वाले सालों में कंप्यूटर मेमोरी की मांग बहुत तेजी से बढ़ने वाली है। रिपोर्ट बताती है कि इंसानों की तरह दिखने वाले रोबोट्स की वजह से दुनियाभर में रैम की जरूरत 20 गुना से भी ज्यादा बढ़ जाएगी। जहां साल 2026 में इसके लिए लगभग 8,300 टीबी रैम की जरूरत होगी, वहीं साल 2030 तक यह बढ़कर करीब 1,72,000 टीबी हो जाएगी।



मस्क बोले, सुपर इंटेलिजेंस से ज्यादा होगी रोबोट की डिमांड

एलन मस्क ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया। मस्क का मानना है कि भविष्य में रोबोट की RAM की जरूरतें धरती पर बाकी सब चीजों से ज्यादा होंगी। उन्होंने लिखा कि यह बात बिल्कुल बेतुकी लगती है। रोबोट्स को रैम की सबसे ज्यादा जरूरत इसलिए होगी क्योंकि वे असली दुनिया में मौजूद रहकर चीजों को छू सकते हैं उन्हें आकार दे सकते हैं और काम कर सकते हैं। जबकि डिजिटल दुनिया की चीजें ऐसा नहीं कर सकतीं। इसका मतलब है कि मस्क का मानना है कि काउंटर पॉइंट की रिपोर्ट में बताए गए डेटा से भी ज्यादा रैम की मांग बढ़ेगी। सुपर इंटेलिजेंस की जरूरतें तो रोबोट्स से भी कहीं ज्यादा होंगी, लेकिन सुपर इंटेलिजेंस का लगभग 100 प्रतिशत कंप्यूटेशन गहरे अंतरिक्ष में बने सुपरकंप्यूटरों पर होगा। यह तो जाहिर सी बात है। बता दें कि एआई डेटा सेंटर की ओर से रैम की मांग ने इंडस्ट्री में थोड़ी हलचल मचा दी है। पिछले एक साल में रैम की कीमतें बहुत तेजी से बढ़ी हैं, जिसकी वजह से स्मार्टफोन और लैपटॉप जैसे कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स भी महंगे हो गए हैं। ऐसा सिर्फ फोन बनाने वाली कंपनियों के साथ ही नहीं हुआ है, बल्कि भारतीय कारोबारों को भी रैम की कमी की मार झेलनी पड़ी है।

एससीओ समिट में बुलाया

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने पहली बार पाक को भेजा न्योता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने 20 से 22 नवंबर तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले पहले सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम के लिए पाकिस्तान को न्योता भेजा है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पाकिस्तान को न्योता भेजा है। भारत ने इस बैठक में शामिल होने के लिए पाकिस्तान सहित इसके सभी 10 सदस्य देशों को आमंत्रित किया है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार न्योता: भारत और पाकिस्तान के रिश्तों पर जमी बर्फ अब पिघलने की उम्मीद की जा रही है। लंबे समय से बंद बातचीत के फिर से शुरू होने की उम्मीद का जा रही है जिससे दोनों देशों के रिश्ते एक बार फिर सुधर सकते हैं। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर मई 2025 में चलाया गया



एक सैन्य अभियान था, जिसे भारत ने अपनी सुरक्षा के लिए चलाया था। इसमें पाकिस्तान के कब्जे वाली कश्मीर में आतंकियों के ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई की गई थी। इससे पहले पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने पहलगाम में दिलदहलाने वाली घटना को अंजाम दिया था। पहलगाम घूमने गए कई टूरिस्टों से उनके नाम पूछ कर पुरुषों को गोली मारी थी। जिसके बाद भारत ने जबावी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया।

संभाग आयुक्त ने कहा–निर्माण कार्यों में अब कोताही बर्दाश्त नहीं, इंजीनियर रोस्टर बनाकर मौके पर रहकर करें मॉनिटरिंग

सिंहस्थ निर्माण कार्यों में देरी पर दो एजेंसियों पर 5 लाख की पेनाल्टी

उज्जैन । सिंहस्थ -2028 की तैयारियों के तहत शहर में चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों में गति लाने के लिए संभाग आयुक्त-सह-सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने मंगलवार को निर्माण कार्यों के नियमित निरीक्षण के दौरान मार्ग चौड़ीकरण कार्य में देरी पाए जाने पर दो निर्माण एजेंसियों पर कुल 5 लाख रुपए की पेनाल्टी लगाने के निर्देश दिए। हनुमान नाका से हरिफाटक मार्ग के कार्य में देरी पर ब्राइट इंफ्रा पर 3 लाख रुपए तथा मंछामन चौराहा से रेलवे कॉलोनी होते हुए हरिफाटक चौराहा मार्ग के कार्य में धीमी प्रगति पर जिंदल प्राइवेट लिमिटेड पर 2 लाख रुपए की पेनाल्टी लगाई गई। संभाग आयुक्त श्री सिंह ने स्पष्ट कहा कि सिंहस्थ के निर्माण कार्यों में अब किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी निर्माण एजेंसियां श्रमिकों की संख्या एवं आवश्यक संसाधन बढ़ाकर कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने निर्माण कार्यों से जुड़े विभागों के इंजीनियरों को निर्देश दिए कि वे निर्माण स्थल पर उपस्थित रहकर प्रतिदिन कार्यों की मॉनिटरिंग करें और यह सुनिश्चित करें कि प्रतिदिन निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कितना कार्य पूरा हुआ है।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह भी मौजूद रहे।



संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह एवं कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने हरीफाटक ओवरब्रिज के नीचे प्रस्तावित अंडरपास निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। संभाग आयुक्त ने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाए जा रहे अंडरपास के एलाइनमेंट को शीघ्र अंतिम रूप दिया जाए। इसके लिए एमपीआरडीसी, नगर निगम और लोक निर्माण विभाग संयुक्त रूप से ड्राइंग तैयार कर समन्वित कार्ययोजना प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी तालमेल एवं समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें, ताकि सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

संभाग आयुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य कराने वाले विभागों के इंजीनियर निर्माण स्थल पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर कार्यों की निगरानी करें। उन्होंने कहा कि केवल कागजी मॉनिटरिंग से काम नहीं चलेगा, बल्कि मौके पर रहकर प्रतिदिन की प्रगति का आंकलन किया जाए और आवश्यकता के अनुसार निर्माण एजेंसियों को संसाधन बढ़ाने के निर्देश दिए जाएं।

600 मीटर लंबा होगा हरिफाटक अंडरपास

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने बताया कि सिंहस्थ महापर्व के अंतर्गत प्रचलित निर्माण कार्यों का प्रतिदिन मौके पर निरीक्षण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार सभी निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाने है। इसी क्रम में हरिफाटक अंडरपास एवं ओवरब्रिज के कार्यों का निरीक्षण कर विभिन्न विभागों एवं एजेंसियों के बीच समन्वय के संबंध में कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया गया है। उन्होंने बताया कि हरिफाटक क्षेत्र में करीब 600 मीटर लंबे अंडरपास का कार्य प्रारंभ हो चुका है। अंडरपास के माध्यम से बाहर से आने वाले श्रद्धालु मन्नत गार्डन से सीधे श्री महाकालेश्वर मंदिर दर्शन के लिए पहुंच सकेंगे।अंडरपास का निर्माण रेलवे लाइन के नीचे से किया जा रहा है और इसके लिए रेलवे के साथ भी समन्वय बनाया गया है। नगर निगम की सड़क को भी अंडरपास से जोड़ा जाएगा, ताकि निर्माण के बाद यातायात व्यवस्था सुगम एवं व्यवस्थित बनी रहे।

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि नीलगंगा चौराहा से जुड़ी तीन प्रमुख सड़कों हरिफाटक से हनुमान नाका, हनुमान नाका से नीलगंगा चौराहा तथा नीलगंगा चौराहा से केटीएम शोरूम तक के निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। निर्धारित समय-सीमा के अनुसार आवश्यक संसाधन मौके पर उपलब्ध है या नही, इसकी भी लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी निर्माण कार्य तय समय-सीमा में पूर्ण कराए जाएंगे।

निरीक्षण के दौरान स्मार्ट सिटी की सीईओ श्रीमती नेहा जैन, अपर मेला अधिकारी श्री ओमप्रकाश सनोडिया सहित नगर निगम के अधिकारी, इंजीनियर एवं निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सिविल अस्पताल तराना में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत व्यापक साफ-सफाई का आयोजन



उज्जैन । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विक्रम रघुवंशी के मार्गदर्शन तथा खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद अर्गल, विकासखंड तराना के निर्देशन में मंगलवार को सिविल अस्पताल तराना में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत साफ-सफाई गतिविधियों का आयोजन किया गया।

अभियान के दौरान अस्पताल परिसर, विभिन्न वार्डों तथा आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने, स्वच्छता बनाए रखने तथा मरीजों एवं उनके परिजनों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया।

अस्पताल परिसर को साफ-सुथरा रखने और स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं को निरंतर बनाए रखने हेतु आवश्यक प्रयास किए गए।

समस्त स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता बनाए रखने तथा मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद अर्गल, मेडिकल ऑफिसर डॉ. रवि बड़ाल, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती मोनाली मालवीय, ब्लॉक एक्सटेंशन एजुकेटर (बी.ई.ई.) श्री रामचरण भंवरासिया सहित अस्पताल का अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया



उज्जैन । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के परिपालन में ईवीएम एवं वीवीपीएटी वेयरहाउस का प्रत्येक माह नियमित निरीक्षण किया जाना अनिवार्य है।

इसी निर्देश के अनुपालन में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रौशन कुमार सिंह ने मंगलवार को शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में स्थित जिला ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस पर स्थापित सीसीटीवी कैमरे पूर्णतः कार्यरत पाए गए। वेयरहाउस के ताले सीलबंद स्थिति में पाए गए। साथ ही वेयरहाउस की सुरक्षा हेतु 24 घंटे तैनात सुरक्षा कर्मी अपने निर्धारित कर्तव्य पर उपस्थित पाए गए। निरीक्षण में समस्त सुरक्षा व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संदीप सिंह उपस्थित थे।

70 वर्ष या इससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को भी आयुष्मान भारत निरामायम योजना का लाभ, कार्ड बनवाना अनिवार्य

उज्जैन । शासन द्वारा 70 वर्ष या इससे अधिक आयु के नागरिकों को भी प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY) में शामिल किया गया है, जिससे अब वरिष्ठ नागरिक भी आयुष्मान भारत योजना का लाभ ले सकेंगे। जिले में निरंतर वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं।

70 वर्ष या इससे अधिक आयु के ऐसे वरिष्ठ नागरिक, जो निजी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं या कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत नहीं आते, आयुष्मान भारत योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के पात्र होंगे। पात्रता का निर्धारण आधार कार्ड में दर्ज आयु के आधार पर किया जाएगा। पात्र वरिष्ठ नागरिकों को एक नया विशिष्ट कार्ड जारी किया जाएगा तथा पंजीकरण के लिए आधार कार्ड एवं समग्र आई.डी. (फेमिली आई.डी.) की आवश्यकता होगी।



मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन डॉ. विक्रम सिंह रघुवंशी ने बताया कि जिले की समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में प्रतिदिन आयुष्मान कार्ड निःशुल्क बनाए जा रहे हैं। उन्होंने समस्त पात्र नागरिकों एवं 70 वर्ष या इससे अधिक आयु वर्ग के नागरिकों से अपील की है कि वे अपने आधार कार्ड एवं समग्र आई.डी. लेकर नजदीकी स्वास्थ्य संस्थाओं में संपर्क कर अपना आयुष्मान कार्ड बनवाएं।

आयुष्मान भारत ÷निरामायम÷ योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों को रुपये 5 लाख प्रति परिवार प्रतिवर्ष स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्रदान किया जाता है। पात्र परिवार का चिन्हांकन सामाजिक, आर्थिक एवं जातीय जनगणना वर्ष 2011 के आधार पर किया गया है। योजना में अलग-अलग रोगों के इलाज के पैकेज तय कर दिए गए हैं। यह स्वास्थ्य सुरक्षा कवच कैशलेस है। उपचार का भुगतान सीधे अस्पताल को किया जाता है। शासन के निर्णय से अब 70 वर्ष या इससे अधिक आयु के नागरिकों को भी योजना में शामिल किया गया है। योजना का लाभ लेने के लिए आयुष्मान कार्ड बनवाना अनिवार्य है।

??लाभ लेने की प्रक्रिया

पात्र परिवार के सदस्य किसी भी बीमारी की स्थिति में शासकीय अस्पताल अथवा चिन्हित निजी अस्पताल जाकर चिकित्सक को दिखाएं। जांच एवं उपचार के पश्चात यदि सरकारी अस्पताल में उपचार संभव हो तो वहीं भर्ती किया जाएगा और यदि मेडिकल कॉलेज में ही संभव हो तो वहां रेफर किया जाएगा, जहां तय पैकेज के अनुसार उपचार मिलेगा।

सभी पात्र एवं 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों से अनुरोध है कि शीघ्र अपना आयुष्मान कार्ड बनवाएं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर योजना का लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त हो सके।

सीईओ डॉ.जैन ने प्रस्तावित गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन स्थलों का किया निरीक्षण

उज्जैन। उज्जैन स्मार्ट सिटी सीईओ डॉ. नेहा जैन द्वारा मंगलवार को CITIIS 2.0 परियोजना के अंतर्गत आगामी सिंहस्थ महापर्व में आने वाले श्रद्धालुओं एवं दर्शनार्थियों की सुविधाओं तथा प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन स्थलों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान सीईओ डॉ. जैन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परियोजना से जुड़े सभी आवश्यक कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि सिंहस्थ के दौरान उत्पन्न होने वाले कचरे के वैज्ञानिक संग्रहण, परिवहन एवं निस्तारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने स्थल चयन, आवश्यक आधारभूत संरचना एवं कार्य प्रगति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया।

सीईओ डॉ. जैन ने कहा कि सिंहस्थ जैसे विशाल धार्मिक आयोजन में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रस्तावित गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन शहर में कचरा प्रबंधन व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे तथा श्रद्धालुओं को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होंगे।



कलेक्टर सभागार में जिलेभर से पहुंचे आवेदक, अधिकारियों ने सुनी समस्याएं

उज्जैन । मंगलवार को सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल भवन स्थित कलेक्टर सभागार में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिलेभर से आए आवेदकों ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष रखीं। अधिकारियों ने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवेदनों पर तत्काल उचित कार्रवाई करने तथा निर्धारित समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर श्री प्रथम कौशिक, अपर कलेक्टर श्री शाश्वत शर्मा एवं एडीएम श्री अत्येंद्र सिंह गुर्जर ने आवेदकों की समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 150 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में महिदपुर तहसील के ग्राम बालोदा निवासी श्री बद्रीलाल पिता कालूजी ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि वर्ष 2025 में सोयाबीन की फसल खराब होने के बावजूद उन्हें राहत राशि प्राप्त नहीं हुई है। अपर कलेक्टर श्री प्रथम कौशिक ने प्रकरण को तत्काल एसडीएम महिदपुर को भेजते हुए उचित कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी प्रकार उज्जैन तहसील के ग्राम हमीरखेड़ी निवासी श्री दिनेश पिता राधेश्याम पटेल ने शिकायत प्रस्तुत की कि उनके घर के सामने स्थित मार्ग पर गांव के कुछ लोगों द्वारा गोबर एवं भूसा डालकर अतिक्रमण करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रकरण के निराकरण के लिए एसडीएम ग्रामीण को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। घट्टिया तहसील के ग्राम बिछड़ौद खालसा निवासी श्री डालचंद पिता श्री फूलचंद जैन ने नल-जल योजना के तहत आवेदन करने के बावजूद नल कनेक्शन नहीं दिए जाने की शिकायत की। वरिष्ठ अधिकारियों ने आवेदन को कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को भेजते हुए नियमानुसार कार्रवाई कर समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए।

ग्राम बौलखेड़ा नाऊ, झारड़ा निवासी श्री उदाजी पिता माकन जी ने बताया कि जिस शासकीय भूमि पर वे खेती करते थे, उसके सर्वे में किसी अन्य व्यक्ति का नाम दर्ज हो गया है। उन्होंने परिवार के भरण-पोषण के लिए उक्त शासकीय भूमि का पट्टा दिए जाने का अनुरोध किया। मामले में संबंधित अधिकारियों ने प्रकरण झारड़ा तहसीलदार को भेजकर नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए। इसी तरह महिदपुर तहसील के ग्राम चौरवासा निवासी श्री गोरधन सिंह पिता धुलसिंह ने शिकायत करते हुए बताया कि तहसीलदार न्यायालय द्वारा घर के सामने रास्ते से अवैध कब्जा हटाने के आदेश दिए जाने के बावजूद हल्का पटवारी द्वारा कार्रवाई नही की गई। वहीं श्री राजेंद्र पिता स्वर्गीय मांगीलाल हिरवे, निवासी श्रीकृष्ण कॉलोनी, अंकपात मार्ग, उज्जैन ने ग्राम जवासिया सोंलकी, तहसील महिदपुर स्थित उनकी स्वामित्व की भूमि से कब्जा हटाने के आदेश के बावजूद कार्रवाई नही होने की शिकायत की। दोनों प्रकरणों में संबंधित तहसीलदारों को नियमानुसार कार्रवाई कर प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में श्रीमती श्यामा बाई पति श्री रमेशचंद्र, निवासी उन्हेल ने आवास योजना का लाभ दिलाने का अनुरोध किया। वहीं ग्राम डेलची बुजुर्ग, तहसील महिदपुर निवासी श्री रामलाल पिता लक्ष्मण जी ने राशन कार्ड बनवाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। दोनों आवेदनों पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई मे अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए तथा प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के लिए कहा।

कायाकल्प पहल के अंतर्गत जिला चिकित्सालय उज्जैन में विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन

उज्जैन । डॉ. विक्रम रघुवंशी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन तथा डॉ. संगीता पल्सानिया, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक के मार्गदर्शन में कायाकल्प पहल के अंतर्गत जिला चिकित्सालय, उज्जैन में आज विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

अभियान में महापौर श्री मुकेश टटवाल तथा श्री अभय विश्वकर्मा जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य चिकित्सालय परिसर एवं सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखना, स्वच्छ व्यवहार को प्रोत्साहित करना तथा जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण का निर्माण करना था।

कार्यक्रम के दौरान श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता शपथ ली। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चिकित्सालय परिसर के गार्डन में पौधारोपण भी किया गया। आमजन को स्वच्छता एवं साफ-सफाई के प्रति जागरूक करने हेतु नर्सिंग छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।



कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश प्रसारित किया गया कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हमारी दैनिक आदत एवं सामूहिक जिम्मेदारी है। चिकित्सालय को स्वच्छ, सुरक्षित एवं रोगी-अनुकूल बनाए रखने के लिए सभी की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है।

कार्यक्रम में डॉ. चिन्मय चिंचोलिकर, आरएमओ, डॉ. निधि जैन, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, श्रीमति हिमांगी चौहान, सहायक प्रबंधक, श्रीमति वर्षा चौहान, सहायक अस्पताल प्रबंधक, सुश्री ज्योति दास एवं सुश्री सोनिका बंडोरे, क्वालिटी टीम तथा जिला चिकित्सालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुस्कान मानव सेवा समिति ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर



उज्जैन। मुस्कान मानव सेवा समिति उज्जैन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिला जेल खरगोन में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 116 से अधिक महिला एवं पुरुष बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यकतानुसार निःशुल्क औषधियां वितरित की गईं।

शिविर का उद्देश्य बंदियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। समिति के मीडिया प्रभारी जावेद शेख ने बताया कि शिविर में आयुष विभाग के चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। जिला आयुष अधिकारी डॉ. वासुदेव आसलकर के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर के लिए आयुष कार्यालय, जिला खरगोन की ओर से आवश्यक औषधियां निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक बिसाहूलाल सिंह की पहल पर सुरेन्द्र कुमार गुप्ता (छोटे)बने नगर परिषद बरगवाँ (अमलाई) के विधायक प्रतिनिधि सभी ने की बधाई

अनूपपुर।(अविरल गौतम) जिले के नगर परिषद बरगवां अमलाई क्षेत्र में आपसी भाईचारे, एकजुटता और विकास की नई इबारत लिखते हुए, मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री एवं अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-87 के लोकप्रिय विधायक बिसाहूलाल सिंह ने एक सराहनीय कदम उठाया है। विधायक ने नगर परिषद बरगवाँ (अमलाई) के वार्ड नं. 03 निवासी सुरेन्द्र कुमार गुप्ता (पिता- कृष्ण गुप्ता) को नगर परिषद बरगवाँ का विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है।



सबको साथ लेकर विकास पथ पर बढ़ने का संकल्प

इस नियुक्ति का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के सभी लोगों को एकजुट कर आपसी सहयोग के साथ विकास कार्यों को गति देना है सुरेन्द्र कुमार गुप्ता नगर परिषद बरगवाँ (अमलाई) की विभागीय बैठकों और कार्यालयीन कार्यों में विधायक के प्रतिनिधि के रूप में भाग लेंगे और सभी को साथ लेकर क्षेत्र की जनता की भलाई के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे।

इस सकारात्मक पहल से स्थानीय नागरिकों में यह संदेश गया है कि आपसी मिलजुलकर काम करने से ही क्षेत्र का चौतरफा विकास संभव है।

शहडोल जिले के जैतपुर क्षेत्र के गलहथा डोंगरी टोला जैतपुर थाना क्षेत्र में यमदूत बने रेत के वाहनः हाईवा से युवक की मौत का गम अभी धुंधलाया नहीं, अब गांवों में बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है तंत्र!

क्या किसी और की जान जाने का इंतजार कर रहा है प्रशासन जैतपुर में अवैध रेत परिवहन और बाल श्रम ने बढ़ाई ग्रामीणों की धड़कनें

शहडोल।(अविरल गौतम) जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र में अवैध रेत के कारोबार और तेज रफ्तार वाहनों का खौफ किस हद तक बढ़ चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कुछ ही दिन पहले एक बेकाबू हाईवा ने एक युवक की जान ली थी। उस हादसे के गम और आक्रोश की आग अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि अब गांवों के भीतर और नदी घाटों पर एक और बड़े खतरे की इबारत लिखी जा रही है।



हादसों को न्योता देता बेखौफ अवैध कारोबार

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन और पुलिस की सुस्ती के चलते रेत कारोबारियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें किसी के जीवन की कोई परवाह नहीं है। पहले सड़क पर तेज रफ्तार हाईवा और डंपरों का तांडव लोगों की जान ले रहा था, और अब ग्रामीण इलाकों तथा नदी के प्रतिबंधित क्षेत्रों में अवैध उत्खनन का खेल खुलेआम चल रहा है।सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस जानलेवा कारोबार में अब मासूम बच्चों को भी धकेला जा रहा है, जिससे किसी भी वक्त कोई बड़ी अनहोनी या दर्दनाक हादसा हो सकता है।

ग्रामीणों में आक्रोश- क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे के इंतजार में है

क्षेत्र के नागरिकों और जिम्मेदारों का सवाल है कि—क्या प्रशासन किसी और परिवार का चिराग बुझने का इंतजार कर रहा है।पिछली दुर्घटना से सबक लेते हुए इन बेलगाम वाहनों और अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है।

ग्रामीण इलाकों में धड़ल्ले से चल रहे इस अवैध खेल पर खाकी और खनिज विभाग की नजर क्यों नहीं पड़ रही

बड़ा सवाल- जब तक कोई बड़ी दुर्घटना नहीं घट जाती, तब तक क्या जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे रहेंगे समय रहते यदि इस पर रोक नहीं लगाई गई, तो कभी भी कोई बड़ा हादसा पूरे क्षेत्र को झकझोर सकता है।

जिले के जनजाति विभाग में छुट्टियों के बावजूद भी हो गई लाखों की खरीदी जनप्रतिनिधि कर रहे हैं जांच की मांग

उमरिया।(दीपक द्विवेदी) जिले के जनजातीय कार्य विभाग मे धांधली और अनियमितताओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आदिवासी समुदाय और उनके बच्चों के उत्थान व शिक्षा के लिए शासन द्वारा करोड़ों रुपये का बजट जारी करने के बावजूद विभागीय कार्यप्रणाली की वजह से व्यवस्था मे कोई सुधार देखने को नहीं मिल रहा। ताजा मामला गर्मी की छुट्टियों के दौरान छात्रावासों और आश्रमों मे भोजन सामग्री की खरीदी के नाम पर करीब 50 लाख रुपये के भुगतान से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, मुख्यालय मे बैठे अधिकारी की शह पर मई और जून 2025-26 तथा 2026-27 की अवधि मे विद्यार्थियों की अनुपस्थिति के बावजूद राशन, सब्जी, किराना और अन्य खाद्य सामग्री की खरीदी दिखा कर बड़ी राशि का भुगतान किया गया।



जांच मे होगा मामले का खुलासा

गौरतलब है कि जिले के छात्रावासों और आश्रमों मे परीक्षाएं समाप्त होने के बाद मई और जून मे ग्रीष्मकालीन अवकाश रहता है। इस दौरान अधिकांश विद्यार्थी अपने घर चले जाते हैं। इसके बावजूद भोजन व्यवस्था के लिए सामग्री की खरीदी और भुगतान किया जाना गंभीर वित्तीय अनियमितता की आशंका पैदा करता है। अवकाश अवधि मे विद्यार्थियों की उपस्थिति, छात्रावासों के रिकॉर्ड, खाद्य सामग्री की खरीदी और भुगतान संबंधी दस्तावेजों की जांच की जाए तो वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

अधीक्षकों को दी मनमानी की छूट

यह पहला मौका नहीं है, जब गरीब आदिवासी बच्चों के लिए सरकार द्वारा भेजी गई राशि के उपयोग को लेकर सवाल उठे हों। पिछले कुछ महीनों से विभाग की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। बताया जाता है कि विभाग के बड़े अधिकारियों ने छात्रावास अधीक्षकों तथा कर्मचारियों को मनमानी की खुली छूट दे रखी है। आश्रमों और विद्यालयों मे छात्र-छात्राओं की सुविधाओं के नाम पर फर्जी फर्मों से हर महीने कागजों पर लाखों की खरीदी की जा रही है। सूत्रों का दावा है कि महकमे के अधिकारी, कर्मचारी और फर्म संचालक कई बिलों का भुगतान कर पैसे की बंदरबांट कर लेते हैं। इसी वजह से संस्थाओं की हालत दयनीय बनी हुई है। ऐसे मे जरूरी है कि विभाग द्वारा संचालित संस्थानों मे व्याप्त वित्तीय अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच हो, साथ ही जिम्मेदारों की जवाबदेही तय की जाए।

जिले के मुदरिया घुनघुटी में तीसरी रेल लाइन की मिट्टी बही, एक मानसून भी नहीं झेल सकी मिट्टी की भराई, रेल सुरक्षा व गुणवत्ता पर सवाल

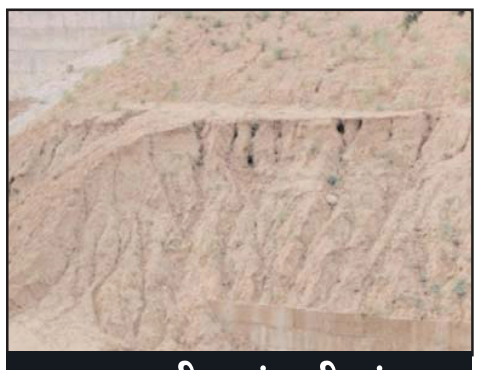
उमरिया। (दीपक द्विवेदी) जिले के मुदरियाङ्घुंघुटी रेलखंड के बीच अमोला पुल के समीप तीसरी रेल लाइन के किनारे किए गए मिट्टी भराई कार्य में कथित अनियमितताओं का मामला सामने आया है। *रेलवे खंभा क्रमांक 939/29 से 941/9 के बीच मानसून से पूर्व कराए गए मिट्टी भराई कार्य में बरती गई लापरवाही के कारण बारिश के दौरान कई स्थानों पर बड़े-बड़े कटाव हो गए तथा अनेक जगहों से मिट्टी बह गई।

स्थानीय स्तर पर सामने आई इस स्थिति ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जाता है कि मानसून से पहले रेलवे अधिकारियों एवं संबंधित ठेकेदार द्वारा पटरी किनारे मिट्टी भराई का कार्य कराया गया था, लेकिन पहली ही बारिश में मिट्टी का बह जाना कार्य में उचित कॉम्पेक्शन (मिट्टी का निर्धारित मानकों के अनुसार घनीकरण) और आवश्यक सुरक्षा उपायों की गुणवत्ता की जांच की मांग करता है।

एक मानसून में मिट्टी का बहना, गुणवत्ता जांच की जरूरत

रेलवे की आधारभूत संरचनाओं में निर्माण की गुणवत्ता और संरक्षा सर्वोपरि होती है। ऐसे में यदि मिट्टी भराई के बाद पर्याप्त कॉम्पेक्शन, ढलान की सुरक्षा नहीं की गई, तो बारिश के दौरान कटाव की समस्या गंभीर रूप ले सकती है।

संबंधित स्थल पर हुए कटाव से यह स्पष्ट है कि



निर्माण कार्य निर्धारित मानकों एवं स्वीकृत तकनीकी प्रावधानों के अनुरूप नहीं किया गया।

समय रहते सुधार नहीं हुआ तो बढ़ सकता है खतरा

अमोला पुल के समीप प्रभावित रेलखंड में मिट्टी के कटाव को देखते हुए आगामी मानसून से पहले आवश्यक मरम्मत एवं सुरक्षा कार्य कराए जाने की मांग उठ रही है।

यदि समय रहते प्रभावित स्थानों का निरीक्षण कर कटाव रोकने के उपाय नहीं किए गए, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। ट्रेनों के परिचालन पर भी खतरे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

उच्चस्तरीय विजिलेंस जांच की मांग

नागरिकों ने रेल प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित स्थल का तकनीकी निरीक्षण कराया जाए। साथ ही, कार्य की माप पुस्तिका, गुणवत्ता परीक्षण रिपोर्ट, कॉम्पेक्शन टेस्ट, भुगतान संबंधी अभिलेख तथा ठेकेदार द्वारा किए गए कार्यों की जांच की जाए।

अनियमितता अथवा लापरवाही प्रमाणित होने पर जिम्मेदार अधिकारियों एवं ठेकेदार के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। अब देखना यह है कि रेल प्रशासन इस मामले में समय रहते आवश्यक कदम उठाता है या नहीं, ताकि रेलवे की महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और भविष्य में किसी संभावित दुर्घटना की आशंका को टाला जा सके।

जिला मुख्यालय के सोहागपुर थाने के बगल में अधूरे ओवरब्रिज के नीचे हादसा, ट्रक-चेसिस की टक्कर से बाइक सवार गंभीर घायल

शहडोल। (अविरल गौतम) शहडोल-रीवा मुख्य मार्ग पर अधूरे ओवरब्रिज के नीचे बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बुढ़ार से पाली की ओर जा रही ट्रक-चेसिस की चपेट में आने से बाइक सवार कारण नायक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद चालक वाहन को सड़क से नीचे उतारकर मौके से भाग निकला। घायल को स्थानीय लोगों की मदद से ऑटो के जरिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना के बाद मौके पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई थी, जिन्हें हटाने के लिए डायल 112 पुलिसकर्मी के अलावा थाना स्टाफ से एक आरक्षक ही थाने से पहुंचा था। सोहागपुर थाना से लगभग कुछ मीटर दूर यह घटना घटी लेकिन कोई पुलिस अधिकारी मौके पर नहीं आया । जानकारी के अनुसार, बाइक सवार छतवई की ओर से ओवरब्रिज के नीचे से होते हुए शहडोल आ रहा था। इसी दौरान बुढ़ार से पाली की ओर जा रही ट्रक-चेसिस ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम



मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्रक-चेसिस को थाने ले जाने का प्रयास किया, लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। वहीं, दुर्घटनाग्रस्त बाइक को थाने ले जाने की तैयारी की जा रही थी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने अधूरे ओवरब्रिज को लेकर नाराजगी जताई। उनका कहना है कि यदि पुल चालू हो गया होता तो बड़े वाहन ऊपर से गुजरते और नीचे छोटे वाहनों के लिए खतरा कम होता। फिलहाल पुल का निर्माण अधूरा होने के कारण भारी वाहन भी नीचे से गुजरते हैं, जिससे बाइक और अन्य छोटे वाहन चालकों को दुर्घटना का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पुल निर्माण में देरी और संबंधित एजेंसी की कथित लापरवाही के कारण इस मार्ग पर आए दिन हादसों की आशंका बनी रहती है। लोगों ने ओवरब्रिज का निर्माण जल्द पूरा कर उसे चालू करने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि थाने से महज कुछ दूरी पर घटना घटी, लेकिन पुलिस का कोई अधिकारी मौके पर आना उचित नहीं समझा। चुनिंदा पुलिसकर्मियों ने ही मोर्चा संभाला।

जिले के जयसिंहनगर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत में संजय कर रहा दोहन नेतागिरी की आड़ में ग्राम पंचायत में मचाया व्यापक भ्रष्टाचार 5वा एवं 15वा राज्य वित्त का कर दिया लाखों का वारा न्यारा कमल के कमंडल में बैठकर छान रहें मलाई

शहडोल। (अविरल गौतम) जिले के जनपद पंचायत जयसिंहनगर में सत्ता के गलियारों में चर्चा जोरों से होनी चाहिए वह भी इस बात की कि किस प्रकार भारतीय जनता पार्टी के लोग ही क्षेत्र में मध्य प्रदेश शासन के पंचायती राज की व्यवस्था में दीमक लगाने का कार्य कर रहे हैं जिसका जीता जागता सबूत मंडल अध्यक्ष संजय गुप्ता जो की जयसिंहनगर क्षेत्र का भ्रष्टाचारी नेता कहलाता है अब भ्रष्टाचारी है इसलिए क्योंकि इसके कारनामे किसी से छुपी नहीं है जनपद पंचायत जयसिंहनगर के अंतर्गत ग्राम पंचायत तेंदुडोल में जिस प्रकार का तमगा इस भ्रष्टाचारी नेता ने दिखाया है इससे एक बात तो साफ हो गई है कि भारतीय जनता पार्टी का दामन पकड़ोगे तो ठेकेदारी से लेकर क्षेत्र में हर चीज आपके जेब में होगी जी हां हम इस नेता की बात कर रहे हैं जिसने आदिवासी की जमीन पर भी कब्जा कर कर रखा हुआ है। सवाल यह है कि क्या इस नेता के करामात मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को जानकारी है या नहीं यदि है तो फिर इसका निवारण क्या है और यदि नहीं है तो मोहन यादव को जानकर प्रसन्नता होगी कि इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार जिस प्रकार भाई एवं रिश्तेदारों के नाम पर उज्जैन के कई जमीनो के खरीद फरोक का आरोप लगा ठीक उसी प्रकार संजय गुप्ता जैसे लोग आदिवासी अंचल को और यहां के रहवासियों को बहला फुसला कर उनकी जमीनो पर कब्जा कर रहे हैं। हालांकि मामले की पुष्टि हम नहीं करते बल्कि यह स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह इस मामले की पुष्टि करें। साथ ही ग्राम पंचायत तेंदूढोल जनपद जयसिंहनगर में जिस प्रकार 15 वां और 5 वें वित्त में व्यापक भ्रष्टाचार किया गया। जिसकी शिकायत होने पर भी मामला सत्ता के डर से ठंडा बस्ते में पड़ा हुआ है।

सीईओ से लेकर कलेक्टर तक शिकायत पर कार्यवाही नहीं

जयसिंहनगर जनपद में ग्राम पंचायत तेंदुडोल के अंतर्गत सरपंच सचिव समेत पर्दे के पीछे रहकर भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष संजय गुप्ता ने 15 वें और 5 वें राज्य वित्त आयोग की राशि का फर्जी तरीके से आहरण कर भ्रष्टाचार किया है जिसकी शिकायत समय-समय पर लगातार जनपद सीईओ से लेकर जिला सीईओ और कलेक्टर तक को जा चुकी है लेकिन सवाल यह है की आज दिनांक तक शिकायत है सिर्फ कागज का टुकड़ा बनकर रह गई कार्रवाई न होना कहीं ना कहीं सत्ता का डर अधिकारियों के कार्यवाही की कलम का रोड़ा बन रहा है। जोकि मोहन सरकार की भ्रष्टाचार की जीरो टॉलरेंस नीति पर एक तरीके से काला धब्बा है। जिसे मोहन सरकार चाह कर भी नहीं मिटा सकती।

पंचायत के निर्माण कार्य में नेताजी ने मारे छक्के चौके

शिकायतकर्ता की अब तक दिए गए शिकायत पत्रों के आधार पर ऐसा स्पष्ट हुआ है कि तेंदूडोल ग्राम पंचायत में सरपंच सचिव के साथ सेंटिंग कर नेताजी ने खूब छक्के चौके लगाए हैं। जिसमें कथित ग्राम पंचायत में बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य पंचायत भवन पार्ट 2 तकनीकी स्वीकृति 6लाख 58 हजार 5वें वित्त से स्वीकृत हुआ था जिसमें पूर्व सचिव द्वारा 13 मई 2026 को 4लाख 99 हजार 432 रुपए आहरण किया गया। किंतु वर्तमान सचिव संग्राम सिंह द्वारा 24 जुलाई 2026 को फर्जी तरीके से पुन: पांचवा वित्त से चार लाख 49 हजार 661 अहारित कर ली जिसकी जांच को लेकर शिकायतकर्ता लगातार जनपद से लेकर जिले तक के अधिकारियों का जमीर जगाने का प्रयास कर रहा है लेकिन कार्यवाही तो दूर मामले में जांच तक नहीं हुई। ठीक इसी प्रकार कथित ग्राम पंचायत के द्वारा बिना निर्माण कार्य के ही सामग्री क्रय कर जैसे गिट्टी देता सीमेंट एनर्जी बिल के नाम से पांचवा वित्त की राशि 3 लाख 20 हजार 95 रूपए का फर्जी बिल भुगतान कर बिल अन्य फर्म का और भुगतान प्राप्त कर्ता किसी और को दर्शाया गया। वहीं सूत्रों के अनुसार यह भी जानकारी प्राप्त हुई है कि तेंदूडोल में जितने भी निर्माण कार्य हुए हैं अधिकांश निर्माण कार्यों में निर्माण एजेंसी अलग और बिल लगाकर राशि निकालने वाले अलग हैं वहीं भाजपा नेता संजय गुप्ता के फार्म के भी कई बिल तेंदूडोल पंचायत में लगें हुए हैं।

खनिज प्रतिष्ठान मद में भी 10 लाख से अधिक तक घोटाला

वही शिकायत कर्ता ने शिकायत करते हुए



संजय कर रहा दोहन नेतागिरी की आड़ में ग्राम पंचायत मचाया व्यापक भ्रष्टाचार

बताया कि ग्राम पंचायत तेंदू डोल के अंतर्गत खनिज मद से लगभग 10 लाख रुपए की स्वीकृति हुई जिसको नेताजी ने सरपंच सचिव के सांठ – गांठ करके उस राशि का भी खयानत कर लिया । और चोर चोर मौसेरे भाई की रीत ग्राम पंचायत में सदा के लिए अमर हो गई।

जगह बदल कर रहे भ्रष्टाचार

वही कथित ग्राम पंचायत के अंतर्गत पोखरी नाला में घाट निर्माण कार्य में भी व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया जिसमें पोखरी नाला में घाट निर्माण का कार्य स्वीकृत हुआ लेकिन उसका स्थल परिवर्तन कर दूसरे जगह निर्माण गुणवत्ता विहीन करा कर ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव के द्वारा पंचायती राज नियमों के विपरीत जाकर 3 लाख रुपए की अग्रिम राशि सरपंच सचिव द्वारा निकाल ली गई। जो कि नियम अनुसार ग्राम पंचायत स्थल परिवर्तन नहीं कर सकती है।

बाउंड्री वॉल निर्माण में भी भ्रष्टाचार

वही ग्राम पंचायत तेंदुडोंल के अंतर्गत खनिज प्रतिष्ठान मत्स्य स्वीकृत 10 लाख रुपए की राशि बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य के लिए जारी होती है जिसकी प्रथम किस्त 3 लाख रुपए निर्माण कार्य से पूर्व सरपंच सचिव द्वारा आहरित कर ली जाती है। फिर पुन: पांचवें व 15 वे वित्त राज्य आयोग कि राशि से भुगतान क्रमांक 37 से 45 हजार व भुगतान क्रमांक 38 से 99हजार 9 सौ 49 रुपए आहरित कर लिया गया।

जिसकी नियमित जांच के लिए लगातार शिकायत व आवेदन अधिकारियों को दिए जा रहे हैं लेकिन कार्यवाही नहीं हो रही है।वही यह भी जानकारी सूत्रों से सामने आ रही है कि जयसिंहनगर क्षेत्र से ग्राम पंचायत तेंदूडोल में हुए व्यापक भ्रष्टाचार के पूरे मामले का ब्यौरा लेकर एक समाज सेवी संगठन जल्द ही मुख्यमंत्री से पूरे मामले की शिकायत करने वाला है।

प्रशासनिक प्रतिक्रिया

वही इस पूरे मामले में जिला पंचायत सीईओ का कहना है कि आपके माध्यम से मेरे संज्ञान में आया है आपके पास जो भी शिकायत पत्र और प्रूफ है वह मुझे व्हाट्सएप पर उपलब्ध करा दीजिए।

मैं पूरे मामले की जांच कर कार्यवाही करवाऊंगा। शिवम प्रजापति (मुख्य कार्यपालन अधिकारी) जिला पंचायत शहडोल।

जिले के बुढ़ार तहसील परिसर में तहसीलदार की गाड़ी में तोड़फोड़, गेट का ताला तोड़ने की भी कोशिश

शहडोल। (अविरल गौतम) जिले के बुढ़ार तहसील परिसर में अज्ञात बदमाशों ने देर रात गेट का ताला तोड़ने की कोशिश की। असफल होने पर उन्होंने तहसीलदार के वाहन के शीशे तोड़ दिए। चौकीदार के पहुंचने पर आरोपी भाग निकले। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू की हैशहडोल जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र में तहसील परिसर के भीतर खड़े तहसीलदार के वाहन में तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। अज्ञात बदमाशों ने देर रात तहसील कार्यालय के गेट का ताला तोड़कर अंदर घुसने का प्रयास किया। इसमें नाकाम रहने पर परिसर में खड़े तहसीलदार के वाहन को निशाना बनाया और उसके शीशे तोड़ दिए। घटना के दौरान आवाज सुनकर ड्यूटी पर तैनात चौकीदार बाहर निकला तो बदमाश मौके से भाग गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, घटना बीती रात की बताई जा रही है। बुढ़ार तहसील परिसर में रात के समय चौकीदार ड्यूटी पर तैनात था। इसी दौरान कुछ बदमाशों ने तहसील कार्यालय के मुख्य गेट पर लगे ताले को तोड़ने का प्रयास किया। जब वे गेट खोलने में सफल नहीं हुए तो परिसर में खड़े तहसीलदार के वाहन में तोड़फोड़ कर दी। आवाज सुनकर चौकीदार बाहर आया और शोर मचाया, जिसके बाद बदमाश वहां से भाग निकले।सुबह पुलिस तक पहुंची सूचना चौकीदार के मुताबिक, उसने घटना की जानकारी रात में ही अपने वरिष्ठ कर्मचारी-अधिकारी को दे दी थी। हालांकि, पुलिस तक सूचना रात में नहीं पहुंच सकी। सुबह मामला सामने आने के बाद डायल 112 को बुलाया गया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और घटना से जुड़े साक्ष्य



जुटाने की कार्रवाई शुरू की। घटना की जानकारी मिलने के बाद अधिकारियों ने भी मामले की पड़ताल की। तहसील कार्यालय के एक कर्मचारी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ तोड़फोड़ सहित अन्य संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की तलाश

बुढ़ार थाना प्रभारी खेम सिंह ने बताया कि तहसील परिसर में वाहन में तोड़फोड़ के मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है।

पुलिस अधीक्षक ने हाथियों के विचरण को दृष्टिगत रखते हुए ग्राम ठेंगरहा का किया निरीक्षण

शहडोल। (दीपक द्विवेदी) पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने शहडोल जिले के वन परिक्षेत्र जयसिंहनगर उत्तर, वनमण्डल शहडोल अंतर्गत ग्राम ठेंगरहा एवं आसपास के क्षेत्र में जंगली हाथियों की आवाजाही को दृष्टिगत रखते हुए क्षेत्र का निरीक्षण किया।

पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जंगली हाथियों की आवाजाही वाले क्षेत्रों में सतत निगरानी रखें तथा स्थानीय ग्रामीणों को आवश्यक सावधानियों के संबंध में जागरूक करें।

हाथियों की उपस्थिति की सूचना प्राप्त होने पर संबंधित विभागों द्वारा तत्काल आपसी समन्वय स्थापित कर आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति की आशंका को कम किया जा सके। ग्रामीणों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आमजन को जंगली हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने, उनके नजदीक जाने अथवा उन्हें परेशान करने से बचने तथा हाथियों की गतिविधियों की जानकारी मिलने पर स्वयं उनके पास जाने के बजाय संबंधित वन विभाग एवं पुलिस को सूचित करने के लिए जागरूक किए जाने पर जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान उपवनमंडलाधिकारी गौरव कुमार सक्सेना ने बताया कि अधिकांश वन कर्मी व स्टाफ को गाँव की तरफ तैनात किया गया है जिससे कोई अप्रिय घटना घटित न हो, लाउडस्पीकर, मुनादी एवं कोटवार के माध्यम से सतत प्रचार-प्रसार कर ग्रामीणों को सतर्क रहने की समझाइस दी जा रही है।



ग्रामीणों को सलाह दी गई कि हाथियों से कम से कम 200 मीटर दूर रहें। रात्रि के समय खेत, जंगल एवं हाथी विचरण मार्ग में न जाने एवं बिजली के तारों / लाइटों को बंद रखने की भी अपील की जा रही है। हाथियों की पल-पल की लोकेशन हेतु कंट्रोल रूम एवं व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सूचना तंत्र सक्रिय किया गया है। हाथियों को पटाखे, आग, शोर-शराबा कर परेशान न करने एवं भीड़ न लगाने हेतु समझाइश दी जा रही है।

इस दौरान एसडीओपी ऋषभ छारी सहित संबंधित वन एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

पेट्रोल के वैश्विक संकट के बीच भारत का मास्टरस्ट्रोक !



वैश्विक स्तरपर भारत की ऊर्जा सुरक्षा के इतिहास में 26 अक्टूबर 2026 एक महत्वपूर्ण तारीख़ के रूप में सामने आया है।केंद्र सरकार ने केंद्रीय मोटर वाहन नियम,1989 में संशोधन करके 100 प्रतिशत तक एथेनॉल वाले ई100 ईंधन पर चलने वाले वाहनों के लिए नियामकीय रास्ता साफ कर दिया है।सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना में ई100 को ई 85 के साथ वाहन उत्सर्जन और परीक्षण संबंधी नियमों में शामिल किया गया है। इसका अर्थ है कि वाहन निर्माता अब निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार ई100 और अन्य उच्च एथेनॉल मिश्रणों पर चलने वाले फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों का परीक्षण, प्रमाणन और बाजार में प्रवेश करने की प्रक्रिया आगे बढ़ा सकते हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि,यह फैसला ऐसे समय आया है,जब पश्चिम एशिया में संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर अनिश्चितताएं भारत सहित अनेक देशों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। हालांकि, यह कहना सही नहीं होगा कि दुनिया में तेल की भारी किल्लत होना निश्चित है। वास्तविक स्थिति संघर्ष की अवधि, तेल उत्पादक देशों की आपूर्ति, समुद्री परिवहन मार्गों और अंतरराष्ट्रीय बाजार की परिस्थितियों पर निर्भर करेगी। लेकिन एक बात स्पष्ट है,जो देशअपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए एक ही प्रमुख आयातित ईंधन पर निर्भर रहते हैं,वे अंतरराष्ट्रीय संकटों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं।इसी चुनौती के बीच एथेनॉल भारत के लिए केवल वैकल्पिक ईंधन नहीं,बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता, कृषि आधारित उद्योग और परिवहन क्षेत्र में तकनीकी बदलाव का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।

साथियों बात अगर हम ई 20 से ई 100 तक-आखिर क्या बदल गया? इसको समझने की करें तो,भारत में पेट्रोल के साथ एथेनॉल मिलाने की व्यवस्था पहले से लागू है। ई 20 पेट्रोल में लगभग 20 प्रतिशत एथेनॉल और 80 प्रतिशत पेट्रोल होता है। भारत ने 2025 में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित समय से पहले हासिल कर लिया था। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की जानकारी के अनुसार,एथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2024-25 में औसत मिश्रण क़रीब 19.24 प्रतिशत तक

पहुंच गया था और 2025-26 में 20 प्रतिशत का स्तरहासिल किया गया। अब ई 100 की व्यवस्था इस दिशा में अगला कदम है। ई 100 का अर्थ लगभग शुद्ध एथेनॉल ईंधन है, जबकि ई 85 में लगभग 85 प्रतिशत एथेनॉल और शेष मुख्यतः पेट्रोल होता है। इन ईंधनों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए फ्लेक्स-फ्यूल वाहन अलग- अलग एथेनॉल-पेट्रोल मिश्रणों पर चलने के लिए डिजाइन किए जाते हैं। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। सरकार की नई अधिसूचना का अर्थ यह नहीं है कि भारत की सभी पेट्रोल कारें अब ई 100 पर चल सकती हैं या पेट्रोल पंपों पर ई 100 हर जगह उपलब्ध हो गया है।फिलहाल यह बदलाव उच्च एथेनॉल मिश्रणों के लिए वाहनों के नियामकीय परीक्षण और प्रमाणन ढांचे को स्पष्ट करता है। ईंधन की व्यापक उपलब्धता और नए वाहनों का व्यावसायिक विस्तार अलगअलग चरणहैं।

साथियों बात अगर हम भारत को एथेनॉल से होने वाले चार सबसे बड़े फायदों को समझने की करें तो पहला फायदा- कच्चे तेल के आयात और विदेशी मुद्रा पर दबाव कम करना-भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। जब पेट्रोल में घरेलू स्तर पर उत्पादित एथेनॉल मिलाया जाता है,तो समान मात्रा में पेट्रोल तैयार करने के लिए आवश्यक जीवाश्म ईंधन की जरूरत घट सकती है। इससे तेल आयात बिल और विदेशी मुद्रा पर दबाव कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि वास्तविक बचत एथेनॉल की मात्रा, उत्पादन लागत और अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों पर निर्भर करेगी।गन्ना, मक्का और निर्धारित मानकों के अनुरूप अतिरिक्त या अनुपयोगी अनाज एथेनॉल उत्पादन के प्रमुख स्रोत हैं। इससे किसानों को कृषि उपज के लिए अतिरिक्त बाजार मिल सकता है।चीनी मिलों, डिस्टिलरी परिवहन और भंडारण उद्योगों में निवेश तथा रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं। लेकिन किसानों को वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब उचित खरीद मूल्य, समय पर भुगतान और टिकाऊ कृषि व्यवस्था सुनिश्चित हो।तीसरा फायदा- प्रदूषण और जीवाश्म कार्बन उत्सर्जन घटाने की संभावना-एथेनॉल में ऑक्सीजन की मौजूदगी दहन को प्रभावित करती है और उपयुक्त इंजन में कुछ प्रदूषकों, विशेषकर कार्बन मोनोऑक्साइड, के उत्सर्जन में कमी संभव है। लेकिन सभी प्रदूषक हर परिस्थिति में समान रूप से नहीं घटते। कुल पर्यावरणीय लाभ का आकलन एथेनॉल के उत्पादन, कृषि, परिवहन और इंजन से निकलने वाले उत्सर्जन को मिलाकर करना चाहिए।चौथा फायदा- ऊर्जा सुरक्षा और वैकल्पिक ईंधन का मजबूत नेटवर्क-यदि पेट्रोल की आपूर्ति या अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बड़ा व्यवधान आता है,तो घरेलू एथेनॉल उत्पादन एक अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध करा सकता है। इससे ऊर्जा के स्रोतों में विविधता आएगी और भारत को केवल आयातित कच्चे तेल पर निर्भर रहने के बजाय घरेलू कृषि तथा जैव-ईंधन उद्योग की क्षमता का उपयोग करने का अवसर मिलेगा। हालांकि, एथेनॉल स्वयं भी कृषि उपज, पानी, बिजली, परिवहन और उत्पादन क्षमता पर निर्भर करता है।इन चारों लाभों का सबसे बड़ा महत्व यह है कि एथेनॉल नीति ऊर्जा, कृषि, उद्योग और पर्यावरण को एक साथ जोड़ती है।भारत सरकार के अनुसार, 2013ङ्क14 में पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण लगभग 1.5 प्रतिशत था, जो 2025ङ्क26 में 20 प्रतिशत तक पहुंच गया। इस विस्तार के साथ घरेलू उत्पादन क्षमता भी बढ़ी है।

सब का पानी एक, सब की हवा एक

सब का मालिक एक



साहबजादा अब्दुल रशीद खान

प्रधान सम्पादक सच्चे दिन समूह

बढ़ती उम्र के साथ सतर्कता का ध्यान रखना ज़रूरी - बुढ़ापा जवानी नहीं लाता, जवानी बचपन नहीं लाती

कुदरत द्वारा बनाई इस अनमोल सृष्टि में मानवीय जीवन की रफ्तार इतनी तेज़ हो गई है कि सुबह से शाम तो क्या बचपन से पचपन तक कैसे पहुंच गए पता ही नहीं चलता वर्तमान परिपेक्ष में बढ़ती जीवन चक्र की प्रक्रिया में संघर्षों खुशियों, दुखों, रोजी-रोटी, घर परिवार, सांसारिक मोह माया इत्यादि अनेक क्रियाओं के चक्कर में अधिकतम मानवी जी ऐसे उलझ गए हैं कि उन्हें अपने शरीर,बढ़ती उम्र का तकाज़ा ही नहीं रहा! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि हालांकि सच्चाई यह है कि बढ़ती उम्र के साथ-साथ सतर्कता का ध्यान रखना अत्यंत ज़रूरी है। यूं समझो बुढ़ापा जवानी नहीं, लाता जवानी बचपन नहीं लाती !इसलिए उम्र के बढ़ने के साथ सेहत में भी बदलाव आते हैं। सेहत का ध्यान रखना, फिटनेस टिप्स, घरेलू उपाय और तनाव से दूर रहना अत्यंत जरूरी है।

साथियों बात अगर हम चालीस प्लस उम्र की करें तो आपकी उम्र चालीस वें पड़ाव पर पहुंच चुकी है और चालीस की उम्र पर पहुंचने का मतलब है अपनी सेहत का पहले से अधिक ध्यान रखना। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती रहती है वैसे-वैसे सेहत में भी बदलाव आते रहते हैं।साथियों संभव हो तो हमें निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए (1) बढ़ती उम्र के साथ-साथ शरीर में विटामिन, मिनरल्स, कैल्शियम, आयरन और एंटीआक्सीडेंट की कमी महसूस होने लगती है। इसलिए भोजन में ऐसी चीजों को अधिक शामिल करें, जो इन सभी पोषक तत्वों की आपूर्ति कर सके।(2) अत्यधि?क गुस्सा और चिंता करने से बचें, साथ ही शारीरिक श्रम भी उतना ही करें, जितना आपके स्वास्थ्य के लिए सही हो। अत्यधिक परिश्रम करने से बचें। (3) बेहतर होगा कि चालीस से अधि?क उम्र होने पर, आप अपनी आदतों और दिनचर्या में बदलाव लाएं। इस अवस्था में आपका शरीर उतना स्वस्थ और उर्जावान नहीं होता। अपने खान-पान और दिनचर्या में बदलाव कर आप उर्जा के साथ ही लंबी उम्र भी पा सकते हैं। (4) घर पर बने पौष्टिक सूप आपकी सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। भोजन के बीच में भूख लगने पर आप इनका सेवन कर सकते हैं। (5) चालीस से अधिक उम्र वालों के लिए एंटीऑक्सीडेंट



युक्त आहार लेना बेहद आवश्यक है। इसलिए हरी सब्जि?यां, वेजिटेबल जूस, सलाद, फल, ग्रीन-टी आदि का सेवन अवश्य करें। (6) इस समय आपके शरीर के सभी अंगों और मांसपे?शि?यों ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, इसलिए खान-पान को बैलेंस रखें ताकि आपका लिवर सुरक्षित रहे और शरीर से विषैले तत्वों को बाहर कर सके। (7) चालीस की उम्र के बाद अक्सर छोटी- छोटी बातों का तनाव और चिड़चिड़ापन होता है साथ ही दिमाग भी कमजोर होने लगता है। इसके लिए योगा, व्यायाम, मेडिटेशन, संगीत को अपनी दिनचर्या में शामि?ल करें। साथ ही वह काम करें जिसे करने में आपको आनंद आता है और जिसमें आपका मन लगता है। (8) साबुत अनाज को अपने भोजन में शामिल करें और फलों का भरपूर सेवन करें। इत्यादि के अलावा और भी आने की टिप्स है जिनकी सहायता से सतर्कता बरती जा सकती है।

साथियों बात अगर हम, बढ़ती उम्र के तकाज़े से निपटने के लिए उपायों की करें तो, शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद, और स्वस्थ आहार अपनाना ज़रूरी है, साथ ही, संक्रमणों से बचने के लिए टीका लगवाना भी फ़ायदेमंद होता है। एक स्वास्थ्य संस्थान के मुताबिक, शारीरिक गतिविधि से हृदय स्वास्थ्य बेहतर रहता है और वज़न नियंत्रित रहता है--(1) बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम करने के लिए, ये उपाय अपनाए जा सकते हैं-(2रोज़ाना दल चलें, साइकल चलाएं, या तैरें(3)योग करे (4)पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं(5)6 से 7 घंटे की नींद लें6)हेल्दी चीजें खाएं(7)नियमित रूप से एक्सरसाइज़ करे(8)टीका लगवाएंबढ़ती उम्र में स्वस्थ रहने के लिए, इन बातों का ध्यान रखना चाहिए-(1)शारीरिक गतिविधि से शरीर में ब्लड का सर्कुलेशन सही रहता है(2)पर्याप्त नींद लेने से त्वचा की डैमेज रिपेयर होती है(3)नियमित एक्सरसाइज़ से हार्ट डिज़ीज़ और कैंसर का खतरा कम होता है4)शारीरिक गतिविधि से मूड अच्छा रहता है (5) शारीरिक गतिविधि से हड्डियां मज़बूत होती हैं (6) पर्याप्त नींद लेने से झुर्रियां पड़ने की प्रक्रिया धीमी होती उम्र का बढ़ना जन्म से ही निर्धारित और शुरू हो जाने वाली सामान्य प्रक्रिया है जिसे रोकना असंभव है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर अपना आकार यानी लंबाई, चौड़ाई, ऊंचाई, शारीरिक गठन, मानसिक स्वास्थ्य और काम करने की ऊर्जा प्राप्त करता जाता है। बचपन, यौवन और वृद्धावस्था अर्थात शरीर का भरपूर उपयोग करने के बाद सम्पूर्ण परिपक्वता की स्थिति आती है तो यह सोच बननी लगती है कि अब बहुत हुआ, बहुत जी लिए, जो करना था या जैसी नियति या भाग्य था, वह सब कर लिया, अब शांति या मुक्ति मिले और प्रभु के चरणों में स्थान प्राप्त हो।उम्र का तकाजा बेशक हो, स्वस्थ रहकर जीना एक कलाहै, उम्र का बढ़ना जन्म से ही निर्धारित और शुरू हो जाने वाली सामान्य प्रक्रिया है जिसे रोकना असंभव है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर अपना आकार यानी लंबाई, चौड़ाई, ऊंचाई, शारीरिक गठन, मानसिक स्वास्थ्य और काम करने की ऊर्जा प्राप्त करता जाता है। बचपन, यौवन और वृद्धावस्था अर्थात शरीर का भरपूर उपयोग करने के बाद सम्पूर्ण परिपक्वता की स्थिति आती है तो यह सोच बनने लगती है कि अब बहुत हुआ, बहुत जी लिए, जो करना था या जैसी नियति या भाग्य था, वह सब कर लिया, अब शांति या मुक्ति मिले और प्रभु के चरणों में स्थान प्राप्त हो।जीवन और मरण अपने हाथ में नहीं होने से उम्र के उस पड़ाव पर पहुंचने के बाद जिसमें करने के लिए न तो कुछ हो और न ही कुछ करने की इच्छा हो लेकिन उम्र का खाता बंद न हो रहा हो और अपने को असहाय, बेचारा समझने और दूसरों पर निर्भर रहने की स्थिति हो जाए तो मन उदास रहने लगता है, शरीर तथा मस्तिष्क दोनों ही ढीले पडने लगते हैं। तो क्या जीवन अगर बाकी है तो उसे आनंद लेते हुए और मनोरंजन के साथ नहीं जीना चाहिए, यह प्रश्न उन लोगों को अपने आप से करना जरूरी हो जाता है जो पहले की तरह स्वतंत्र, मुक्त और बेफिक्र होकर जिंदगी व्यतीत करना चाहते रहे हैं? सन् 1950 में जहां एक भारतीय की औसत आयु 35 वर्ष थी वहां अब यह दोगुनी होकर 70 तक पहुंच गई है। इसका अर्थ यह हुआ कि इसके बाद भी 80 से 100 वर्ष तक जीने की कल्पना की जा सकती है। इसी तरह दुनिया में ऐसे बहुत से देश हैं जिनमें औसत आयु 80-85 वर्ष है अर्थात वहां रहने वाले सौ साल से अधिक जीने के बारे में सोच सकते हैं। बढ़ती उम्र में यदि इसी सोच के साथ जीने की कोशिश की जाए कि हमारी सोच अभी भी वैसी है जैसी कि तब थी जब हम अब से आधी उम्र के थे तो वृद्धावस्था का डर नहीं रहेगा और व्यक्ति आनंदपूर्वक जी सकेगा। अपने शौक हों या कोई भूली बिसरी इच्छा हो अथवा घूमने-फिरने, नई जगहों पर जाने का मन हो, यहां तक कि अपने रिश्तों का दायरा बढ़ाने की इच्छा हो तो इस उम्र में पीछे मुड़कर न देखना और उम्र को मनोरंजन की एक शैली मानते हुए जीना ही सबसे बेहतर है। और अब तो सरकार भी रिटायर्ड लोगों को नौकरी देने के बारे में सोच रही है क्योंकि उम्र कभी भी युवा होने की सोच पर हावी नहीं हो सकती। उम्र के असर से बचकर रहना है तो अपने खाने पीने, सोने जागने, सेहत का ध्यान रखते हुए अपने शरीर और मन की जांच पड़ताल कराते हुए ही जीना सर्वश्रेष्ठ है।

साथियों बात अगर हम पचास प्लस उम्र की करें तो, पचास साल की उम्र के बाद कुछ कारक हो सकते हैं, जिनके कारण भोजन का सेवन कम हो सकता है। इसमें शामिल है भूख की कमी, स्वाद या गंध पहचानने की कमी, चबाने या निगलने में कठिनाई, शारीरिक शक्ति या गतिशीलता की कमी, गंभीर बीमारी या दवाओं का सेवन, भावनात्मक स्थिति, वित्तीय सुरक्षा शामिल आदि।पचास साल या इससे ज्यादा की उम्र के लोगों को समझना जरूरी है कि उन्हें क्या करना चाहिए क्या नहीं। आसानी से पचने वाले, आसानी से अवशोषित होने वाले, छोटे-छोटे टुकड़ों में लगातार भोजन लें।

शांत और परोपकारी स्वभाव सुखी जीवन का मूल मंत्र

भारतीय संस्कृति, सभ्यता के बारे में हमने साहित्य और इतिहास के माध्यम से और भारत माता की गोद में रहकर पारिवारिक संस्कृति, मान सम्मान, रीति- रिवाजों से इसे प्रत्यक्ष महसूस भी कर रहे हैं। परंतु हमारे बड़े बुजुर्गों के माध्यम से हमने कई बार सतयुग का नाम सुने हैं, जिसका वर्णन वे स्वर्गलोक़ के तुल्य करते हैं। याने इतनी सुखशांति, अपराध मुक्ति, इमानदारी, शांति सरोवर तुल्य,कोई चालाकी चतुराई गलतफहमी या कुटिलता या भ्रष्टाचार नहीं, बस एक ऐसा युग कि कोई अगर कुछ दिन, माह के लिए बाहर गांव जाए तो अपने घरों को ताला तक लगाने की ज़रूरत नहीं !अब कल्पना कीजिए कि अपराध बोध मुक्त युग! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हमारी पूर्व की पीढ़ियों ने ऐसा युग जिए होंगे तब यह बोध आगे की पीढ़ियों में आया,जिसे सतयुग के नाम से जरूर जाना जाता है।



साथियों बात अगर हम वर्तमान युग पर बड़े बुजुर्गों में चर्चा की करें तो इस इसे कलयुग नाम देते हैं, याने सभी प्रकार के अपराध बोध से युक्त संसार। हर तरह की बेईमानी, भ्रष्टाचार कुटिलता से भरा हुआ युग !आज भी बुजुर्गों का मानना है कि वह सतयुग फिर आएगा,याने आज की तकनीकी भाषा में अपराध मुक्त, भ्रष्टाचार बेईमानी कुटिलता मुक्त पारदर्शिता और अनेकता में एकता वाले भारत की परिकल्पना का युग।

साथियों बात अगर हम अपराध, भ्रष्टाचार, बेईमानी, कुटिलता से भरे जग की करें तो मेरा मानना है कि इसका मुख्य प्रवेश द्वार क्रोध, उत्तेजित स्वभाव व लालच है जिसमें आपराधिक बोध प्रवृत्ति का जन्म होता है और व्यक्ति क्रोध में हिंसा, अपराध, लालच, भ्रष्टाचार, बेईमानी और कुटिलता के अमानवीय कृति और अन्य गलत कार्यों की ओर मुड़ जाता है और आगे बढ़ते ही चले जाता है जब जीवन के असली महत्व का पता चलता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। क्रोध की अभिव्यक्ति हमारे अंदर की कुंठा, हिंसा व द्वेष के कारण भी हो सकती है। वर्तमान काल में अपराधों के बढ़ने का एक प्रमुख कारण भीषण क्रोध ही है। क्रोध से उत्पन्न हुए अपराधों के औचित्य को सिद्ध करने के लिए क्रोधी व्यक्ति कुतर्क कर दूसरे को ही दोषी सिद्ध करता है। एक दोष को दूर करने के लिए अनेक कुतर्क पेश करता है। क्रोध में व्यक्ति आपा खो देता है। क्रोध में अंतत- बुद्धि निस्तेज हो जाती है और विवेक नष्ट हो जाता है। क्रोध का विकराल रूप जुनून है। आदमी पर जुनून सवार होने पर वह जघन्य से जघन्य अपराध कर बैठता है। जुनून की हालत में उसे मानवीय गुणों का न बोध रह पाता है और न ही ज्ञान। क्रोध मानव का सबसे बड़ा शत्रु है, बहुत बड़ा अभिशाप है।

साथियों बात अगर हम शांत, परोपकारी स्वभाव ही जीवन का मूल मंत्र की करें तो अभिभावकों, शिक्षकों को बच्चों को यह शिक्षा देना है और हम बड़ों को यह स्वतः संज्ञान लेना है कि माचिस की तीली बनने की बजाय शांत सरोवर बनना होगा, जिसमें कोई अंगारा भी फेंके तो स्वयं ही बुझ जाए, बस! यह भाव अगर हम मनीषियों के हृदय में समाहित हो जाए तो यह विश्व फिर सतयुग का रूप धारण करेगा जहां किसी तरह का कोई अपराध बोध या गलत काम का भाव नहीं होगा। सभी मनीषी जीव परोपकारी भाव से युक्त होंगे भाईचारा, प्रेम, सद्भाव की बारिश होगी जहां बिना ताले घरबार छोड़ कहीं भी जाने के भाव जागृत होंगे और हमारे बुजुर्गों का सतयुग रूपी सपना साकार होगा।

साथियों बात अगर हम स्वयं को माचिस की तीली याने क्रोधित होने पर विपरीत परिणामों की करें तो, क्रोध मनुष्य को बर्बाद कर देता है और उसे अच्छे बुरे का पता नही चलने देता, जिस कारण मनुष्य का इससे नुक्सान होता है। क्रोध मनुष्य का प्रथम शत्रु होता है। क्रोधी व्यक्ति आवेश में दूसरे का इतना बुरा नहीं जितना स्वयं का करता है। क्रोध व्यक्ति की बुद्धि को समाप्त करके मन को काला बना देता है।

साथियों बात अगर हम क्रोध को नियंत्रित कर समाप्त करने की तकनीकी की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अनुसार क्रोध के नकारात्मक प्रभाव पूरे इतिहास में देखे गए हैं। प्राचीन दार्शनिकों, धर्मपरायण व्यक्तियों और आधुनिक मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रतीत होने वाले अनियंत्रित क्रोध का मुकाबला करने की सलाह दी गई है। आधुनिक समय में, क्रोध को नियंत्रित करने की अवधारणा को मनोवैज्ञानिकों के शोध के आधार पर क्रोध प्रबंधन कार्यक्रमों में अनुवादित किया गया है।क्रोध प्रबंधन क्रोध की रोकथाम और नियंत्रण के लिए एक मनो-चिकित्सीय कार्यक्रम है । इसे क्रोध को सफलतापूर्वक तैनात करने के रूप में वर्णित किया गया है। क्रोध अक्सर हताशा का परिणाम होता है,या किसी ऐसी चीज से अवरुद्ध या विफल होने का अनुभव होता है जिसे विषय महत्वपूर्ण लगता है। अपनी भावनाओं को समझना क्रोध से निपटने का तरीका सीखने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है।

खारगे द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ता को भाजपा कार्यकर्ता मानने पर मामला बिगड़ गया

बिहार में एक सभा के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे उत्तेजित हो गए और उन्होंने नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता के लिए असंसदीय शब्दों का प्रयोग किया। इस घटना का पूरा वीडियो सामने आने के बाद कई लोग हैरान रह गए। %मोदी नहीं जाएंगे...% कहने वाले कार्यकर्ता का असल मतलब था, %जब तक आंदोलन नहीं होगा, मोदी नहीं जाएंगे।% जैसे ही उन्होंने यह कहा, अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला कर दिया और उन्हें सभाघर से बाहर धकेल दिया। इसके बाद जब पत्रकारों ने सभाघर के बाहर कार्यकर्ता को घेर लिया, तो कार्यकर्ता ने नरेंद्र मोदी के शासन की आलोचना करते हुए कहा कि अगर मोदी को हटाना है तो कांग्रेस को कड़ा आंदोलन करना होगा। तब सबको समझ आया कि खर्गे कार्यकर्ता पर बिना किसी कारण के और उनकी बात अधूरी सुनकर ही भड़क गए थे।

अमित शाह। राहुल गांधी मानहानि मामले में जीत गए हैं। अदालत ने उन्हें बरी कर दिया है। सुल्तानपुर की सांसद-विधायक अदालत ने यह फैसला सुनाया। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के कारण मानहानि का मामला दर्ज किया गया था। आरोप था कि तत्कालीन भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष और वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह के संबंध में एक विवादास्पद बयान दिया गया था। इस बयान के कारण स्थानीय भाजपा नेता विजय मिश्रा ने दीवानी अदालत में मामला दर्ज कराया। गवाहों के बयान के बाद, कांग्रेस नेता की आवाज उठाने के मुद्दे पर मामला उच्च न्यायालय में गया। हालांकि, शिकायतकर्ता की याचिका खारिज कर दी गई। राहुल गांधी के बरी होने पर कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर जश्न मनाया।

22 वर्षीय डिप्लोमा इंजीनियर प्रांजल ठकराल को टाइगर श्रॉफ की कार पर गोलीबारी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। प्रांजल गोलीबारी मामले में गिरफ्तार होने वाला 11वां आरोपी है। आरोप है कि प्रांजल ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के अमेरिका स्थित सरगना अनिल पंडित के इशारे पर हमलावरों को पिस्तौल, सूचना और वित्तीय सहायता मुहैया कराई थी। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य अनिल पंडित ने श्रॉफ पर हमले की योजना बनाई थी। प्रांजल इस योजना को अंजाम देने के लिए जिम्मेदार था। पुलिस से बचने के लिए अनिल पंडित और प्रांजल ठकराल एक गुप्त मैसेजिंग ऐप के जरिए एक-दूसरे से संपर्क करते थे। 22 वर्षीय प्रांजल ठकराल के पास इंजीनियरिंग का डिप्लोमा है। उन्हें हरियाणा के पानीपत में एक व्यवसायी पर हमला करने के आरोप में जेल भेजा गया था।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही हर राजनीतिक दल अपनी-अपनी रणनीति बना रहा है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी मुस्लिम मतदाताओं के वोटों में सेंध लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

राजनीति में शब्दों की मर्यादा: जब वाणी विवेक पर भारी पड़ जाए

अर्थात ऐसी वाणी, जो दूसरों के मन में अनावश्यक उद्वेग पैदा न करे, सत्य हो, प्रिय हो और हितकारी हो, वाणी का तप कहलाती है। यह श्लोक केवल व्यक्तिगत जीवन में बोलचाल का सलीका सिखाने के लिए नहीं है। सार्वजनिक जीवन, राजनीति और सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के लिए भी इसका महत्व उतना ही है। कब बोलना है, किस परिस्थिति में बोलना है और किन शब्दों का इस्तेमाल करना है, इसका विवेक ही किसी व्यक्ति की राजनीतिक परिपक्वता की पहचान बनता है।

राजनीति में मतभेद स्वाभाविक हैं। सत्ता पक्ष से सवाल पूछना, सरकार की नीतियों की आलोचना करना, सरकार को कठघरे में खड़ा करना और चुनाव में उसके खिलाफ जनमत तैयार करना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, लोकतंत्र की जरूरत भी है। लेकिन जब राजनीतिक तर्क की जगह व्यक्तिगत कटाक्ष लेने लगें और असहमति जताने के लिए ऐसे शब्द चुने जाएं, जिनसे विवाद का विस्तार मुद्दों से हटकर परिवार तक पहुंच जाए, तब यह विचार करना जरूरी हो जाता है कि राजनीति किस दिशा में जा रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई टिप्पणी ने इसी प्रश्न को फिर सामने ला दिया है। बिहार की राजधानी पटना में 25 अक्टूबर को एक कार्यक्रम के दौरान खड़गे ने कहा, ÷मोदी का बाप भी जाएगा।÷ यह टिप्पणी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उस समय आई, जब श्रोताओं में से एक व्यक्ति प्रधानमंत्री के पद से मोदी के न जाने की बात कह रहा था। इसके बाद बयान पर विवाद खड़ा हो गया। भाजपा ने इसे प्रधानमंत्री के दिवंगत पिता को लेकर की गई अमर्यादित टिप्पणी बताया, जबकि कांग्रेस ने संदर्भ और वैचारिक आशय का हवाला देते हुए उनका बचाव किया।

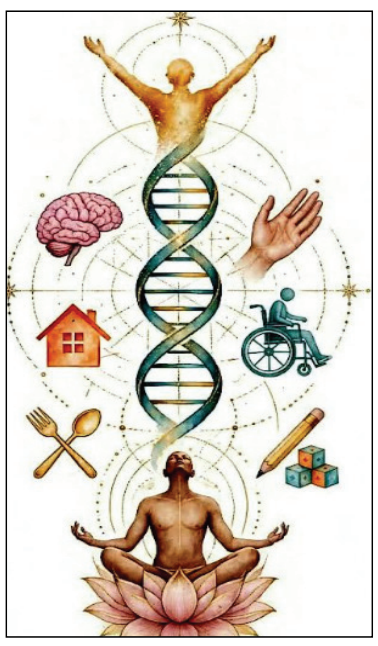
विवाद का केंद्र केवल एक वाक्य नहीं है। असली सवाल यह है कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टियों में से एक के राष्ट्रीय अध्यक्ष से सार्वजनिक मंच पर किस तरह की भाषा की अपेक्षा की जाती है। खड़गे कोई सामान्य कार्यकर्ता नहीं हैं। वह दशकों के राजनीतिक अनुभव वाले नेता हैं, संसद में विपक्ष की आवाज हैं और कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके शब्दों का प्रभाव किसी स्थानीय सभा में दिए गए सामान्य भाषण से कहीं अधिक होता है। इसलिए उनके बयान को केवल क्षणिक आवेश बताकर नजरअंदाज करना आसान नहीं है।

खड़गे की टिप्पणी के बाद भाजपा ने 26 अक्टूबर को देशभर में विरोध प्रदर्शन किए। दिल्ली, पटना, जम्मू, बेंगलुरु, लखनऊ, जयपुर, रांची, कोलकाता, गांधीनगर और गुवाहाटी समेत कई शहरों में पार्टी कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे। कई स्थानों पर कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ नारेबाजी हुई, पोस्टर जलाए गए और कांग्रेस नेतृत्व से माफी की मांग की गई। कुछ जगहों पर प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रोका। भाजपा ने इसे प्रधानमंत्री और उनके परिवार के प्रति अपमानजनक भाषा का मामला बताते हुए खड़गे से बिना शर्त माफी की मांग की।

भाजपा का विरोध केवल एक बयान के प्रति नाराजगी तक सीमित नहीं रहा। पार्टी ने इसे प्रधानमंत्री पद की गरिमा और सार्वजनिक जीवन में भाषा की मर्यादा से जोड़ दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने टिप्पणी की आलोचना की। पार्टी की मांग है कि कांग्रेस नेतृत्व इस मामले में अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करे।

हालांकि, लोकतंत्र में विरोध का तरीका भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना विरोध का कारण। किसी बयान के खिलाफ आवाज उठाना राजनीतिक अधिकार है, लेकिन प्रदर्शन का उद्देश्य संवाद की संभावना को खत्म करना नहीं, मर्यादा के महत्व को रेखांकित करना होना चाहिए। विरोध शांतिपूर्ण और मुद्दे पर केंद्रित रहे, तभी वह अपनी बात का नैतिक आधार मजबूत कर सकता है। कांग्रेस ने खड़गे के बयान को लेकर अलग पक्ष रखा है। पार्टी के नेता पवन खेड़ा ने दावा किया कि कार्यक्रम में पहले खड़गे के साथ अभद्र व्यवहार किया गया था। कांग्रेस की दलील है कि उनकी टिप्पणी को प्रधानमंत्री के जैविक पिता के संदर्भ में नहीं, बल्कि वैचारिक विरोध के संदर्भ में समझा जाना चाहिए। पार्टी के कुछ अन्य नेताओं ने भी बयान के आशय और उसके राजनीतिक संदर्भ की ओर ध्यान दिलाया। यहां एक बुनियादी बात समझने की जरूरत है। किसी मंच पर उकसाने वाली टिप्पणी हो जाए तो उसका जवाब देने का दबाव बन सकता है। वरिष्ठ नेताओं को भी कभी-कभी आवेश का सामना करना पड़ता है। लेकिन सार्वजनिक जीवन में पद और अनुभव के साथ अपेक्षाएं भी बढ़ती हैं। सामने वाला अनुचित भाषा का इस्तेमाल करे, तब भी जवाब देते समय अपने शब्दों का चयन करना ही नेतृत्व की परीक्षा है। कांग्रेस की यह दलील भी अपने आप में पर्याप्त नहीं कि खड़गे के शब्दों को उनके आशय के आधार पर ही देखा जाए।

सिर्फ इलाज नहीं, जिंदगी जीने की कला है ऑक्यूपेशनल थेरेपी



इंदौर। ऑक्यूपेशनल थेरेपी में 'पार्टिसिपेशन मैटर्स' यानी हर व्यक्ति की भागीदारी मायने रखती है। इस विशिष्ट चिकित्सा पद्धति का की जानकारी और उसका महत्व हर व्यक्ति तक पहुंचना आवश्यक है। भले ही कोई व्यक्ति इस चिकित्सा पद्धति के नाम से परिचित हो या न हो, लेकिन अपने दैनिक जीवन में स्वस्थता, कार्यक्षमता और बेहतर जीवनशैली का महत्व हर किसी के लिए है। ऑक्यूपेशनल थेरेपी केवल बीमारी या दिव्यांगता से जूझ रहे लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए उपयोगी है जिन्हें रोजमर्रा की गतिविधियों को करने में कठिनाई होती है। इसलिए इसके प्रति जागरूकता बढ़ाना और जरूरत पड़ने पर सही मार्गदर्शन प्राप्त करना बेहद जरूरी है। यहां एक महत्वपूर्ण बात समझना जरूरी है-ऑक्यूपेशनल थेरेपी का लक्ष्य केवल बीमारी का उपचार करना नहीं, बल्कि व्यक्ति को उसकी जिंदगी में वापस भागीदार बनाना है।

ऑक्यूपेशनल थेरेपी यह एक स्वास्थ्य सेवा है, जो व्यक्ति को रोजमर्रा के काम करने और जीवन में अधिक स्वतंत्र बनने में मदद करती है। बीमारी, दुर्घटना, स्ट्रोक, मस्तिष्क की सर्जरी या विकास संबंधी समस्याओं के कारण जब व्यक्ति को खाना खाने, कपड़े पहनने, लिखने, पढ़ने, खेलने या काम करने में परेशानी होती है, तब ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट उसकी जरूरतों के अनुसार उपचार और प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह थेरेपी बच्चों के विकास, तंत्रिका तंत्र से जुड़ी बीमारियों के पुनर्वास, मानसिक स्वास्थ्य और बुजुर्गों की आत्मनिर्भरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

छोटी उपलब्धियां ही नहीं, बड़ा बदलाव भी होता है

किसी बच्चे का पहली बार खुद कपड़े पहनना, स्ट्रोक के बाद मरीज का अपने हाथ से खाना खाना या किसी दिव्यांग व्यक्ति का स्कूल और कार्यस्थल पर सक्रिय भागीदारी करना-ये केवल छोटी उपलब्धियां नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और सम्मान की ओर बढ़ते कदम हैं। इसके लिए परिवार और समाज का सहयोग भी जरूरी है। सही मार्गदर्शन, अनुकूल वातावरण और दैनिक गतिविधियों का अभ्यास व्यक्ति की स्वतंत्रता और भागीदारी को बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं।

विश्व ऑक्यूपेशनल थेरेपी दिवस के उपलक्ष्य में इंदौर के साउथ तुकोगंज स्थित 'प्रयास स्पीच एण्ड हियरिंग सेंटर' में इच्छुक व्यक्तियों और परिवारों के लिए निःशुल्क ऑक्यूपेशनल थेरेपी परामर्श एवं आकलन सत्र रखे गए हैं। ये सत्र अगले एक सप्ताह तक चलेंगे।

वृत्त सांवेर में अवैध मदिरा के विरुद्ध संयुक्त दल की कार्रवाई- 06 प्रकरण पंजीबद्ध



इन्दौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन तथा कंट्रोलर श्री कमलेश सोलंकी एवं डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग के वृत्त सांवेर के संयुक्त दल द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध सघन अभियान चलाया गया। अभियान के तहत अर्जुन बड़ौदा, पूवार्दा दाई, पूवार्दा हप्पा, मकोडिया, बूढ़ी बरलाई, बरलाई जागीर एवं क्षिप्रा सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में दबिश देकर कुल 06 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। इस दौरान अवैध मदिरा जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में प्रबुद्ध नागरिकों की चौपाल लगाकर नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। ग्रामीणों को केवल शासकीय लाइसेंस प्राप्त वैध मदिरा दुकानों से ही मदिरा क्रय करने तथा अवैध स्थानों से मदिरा क्रय नहीं करने की समझाइश दी गई। संयुक्त कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री धर्मेन्द्र जोशी के नेतृत्व में आबकारी उप निरीक्षक श्रीमती जया मुजाल्दे, वृत्त सांवेर और आरक्षक उपस्थित थे।

इंदौर में पांच जिलों के हजारों संघ स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण 28 अक्टूबर को, ध्वज प्रणाम और बौद्धिक मार्गदर्शन होगा



इंदौर = राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर 28 अक्टूबर को इंदौर के डेली कॉलेज परिसर में वृहत 'चरैवेति' एकत्रीकरण आयोजित किया जाएगा।

इंदौर विभाग के पांच जिलों के सक्रिय स्वयंसेवक शामिल होंगे- शाम 4.30 बजे से प्रस्तावित इस आयोजन में इंदौर विभाग के पांच जिलों के सक्रिय स्वयंसेवक शामिल होंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य संघ के सौ वर्ष के सफर के बाद राष्ट्रकार्य और सामाजिक परिवर्तन के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश देना है। इसमें ध्वज प्रणाम, शारीरिक कौशल प्रदर्शन और बौद्धिक मार्गदर्शन होगा।

निर्धारित समय से पहले स्वयंसेवक शाखाओं पर जुटेंगे- एकत्रीकरण के लिए निर्धारित समय से पहले स्वयंसेवक शाखाओं पर जुटेंगे। एकत्रीकरण की तैयारी पिछले एक माह से की जा रही हैं। एकत्रीकरण का ध्येय वाक्य 'चरैवेति-चरैवेति' रखा गया है। इसका आशय निरंतर अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते रहने से है। राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी। 2025-26 में संघ द्वारा शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है।

राष्ट्र कार्य के प्रति समर्पण का संकल्प दोहराया जाएगा- शताब्दी वर्ष के दौरान देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस आयोजन के माध्यम से व्यक्ति निर्माण, समाज परिवर्तन, सामाजिक समरसता और राष्ट्र कार्य के प्रति समर्पण का संकल्प दोहराया जाएगा। इसके बाद अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक दो नवंबर से होगी।

अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक दो नवंबर से होगी- 2 नवंबर से होने वाली अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर मंथन किया जाएगा। हालांकि कार्यक्रम का विस्तृत विवरण आरएसएस द्वारा जारी नहीं किया गया है, लेकिन फिर भी देश से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर मंथन किए जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। आरएसएस के इस आयोजन में संघ से जुड़े कई बड़े पदाधिकारियों के शामिल होने की भी संभावना व्यक्त की जा रही है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य श्री प्रियांक कानूनगो ने की पीएम स्वनिधि योजना की समीक्षा



इन्दौर। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य श्री प्रियांक कानूनगो की अध्यक्षता में आज सिटी बस कार्यालय, इंदौर में पीएम स्वनिधि योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के हितग्राहियों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली गई तथा संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए गए। पथ विक्रेता (स्ट्रीट वेंडर्स) के हितग्राहियों के अधिकारों के विषय में सार्थक संवाद किया।

बैठक में आयोग के सदस्य श्री कानूनगो ने इंदौर में वेंडिंग कमेटी के गठन तथा स्ट्रीट वेंडर्स के लिए वेंडिंग जोन आरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पथ विक्रेताओं को अपना व्यवसाय संचालित करने के लिए उचित स्थान और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर नगर निगम के एमआईसी सदस्य श्री मनीष शर्मा मामा ने पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को व्यापार के दौरान आ रही समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। अपर आयुक्त श्री श्रृंगार श्रीवास्तव ने योजना के अंतर्गत हितग्राहियों की समस्याओं के समाधान तथा योजना की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने इंदौर में विकसित किए जा रहे स्ट्रीट फूड हब के संबंध में भी अवगत कराया।

योजना प्रभारी एवं सिटी मिशन मैनेजर श्री राजवीर धाकड़ ने बताया कि इंदौर नगर निगम क्षेत्र में पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत 1,26,190 से अधिक हितग्राही लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने पूर्व से गठित टाउन वेंडिंग कमेटी तथा स्ट्रीट वेंडर्स के लिए नगर निगम द्वारा चिह्नित वेंडिंग जोन की जानकारी भी दी।

बैठक में पथ विक्रेताओं की समस्याओं, उनके व्यवसाय के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराने तथा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर समस्त सिटी मिशन मैनेजर, सामुदायिक संगठक तथा बड़ी संख्या में पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राही उपस्थित रहे।

इसके पश्चात राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य श्री प्रियंक कानूनगो इंदौर के ऐतिहासिक स्थल गांधी हॉल पहुंचे। यंहा पर वाल्मीकि जयंती के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय धर्म सभा में शामिल हुए। समारोह में मानवाधिकार आयोग के सदस्य श्री कानूनगो ने वाल्मीकि समाज के भाई बहनों के साथ भावुक और प्रेरणादायक संवाद किया। इस दौरान महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, महापौर परिषद के सदस्य श्री नंदू पहाड़िया, मप्र सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष श्री प्रताप करोसिया, श्री गौरव रणदिवे सहित समाज के सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री कानूनगो ने समाज जनों को सम्मान पत्र भी भेंट किये।

शरद पूर्णिमा पर बर्फानी धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, देर रात तक बंटी औषधियुक्त खीर, लंबी कतारे लगी



इंदौर। शरद पूर्णिमा पर रविवार को मालवीय नगर स्थित श्री बर्फानी धाम में आस्था का मेला लगा। सुबह से ही प्रदेश के विभिन्न जिलों से श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर रात तक जारी रहा। शाम 4 बजे से भजन-कीर्तन और अखंड रामायण पाठ से परिसर गूंजता रहा। रात में चंद्र किरणों के सम्मुख आयुर्वेदिक औषधियों से युक्त खीर तैयार की गई, वही हजारों श्रद्धालुओं को सामान्य की प्रसादी का वितरण भी किया गया, वैदिक मंत्र उपचार विधि विधान से पूजन-अर्चन और अनुष्ठान के बाद रात 10=30 बजे से प्रसादी वितरण शुरू हुआ, जो देर रात तक चला। आयोजन में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए।

ब्रह्मऋषि योगिराज बर्फानी दादाजी की प्रेरणा से शुरू हुई औषधियुक्त खीर वितरण की परंपरा 32 वर्षों से निभाई जा रही है। महामंडलेश्वर भरत दास महाराज ने बताया कि शरद पूर्णिमा पर दमा रोगियों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु खीर प्रसादी ग्रहण करने पहुंचे। आयोजन को लेकर शनिवार से ही मंदिर परिसर में आकर्षक विद्युत सज्जा, बैरिकेडिंग और अन्य व्यवस्थाएं की गई थीं। कमलेश्वर सिंह सिसोदिया ने बताया कि प्रसादी वितरण और श्रद्धालुओं की आवाजाही में 200 से अधिक सेवादार जुटे रहे।बर्फानी धाम में शरद पूर्णिमा के आयोजन के अलावा प्रत्येक रविवार को जड़ी-बूटियों से निर्मित औषधियों का निःशुल्क वितरण भी किया जाता है। आयोजन में ओमप्रकाश वर्मा पहलवान, सच्चिदानंद द्विवेदी, पुरुषोत्तम यादव, कैलाश चौकसे और पंकज जायसवाल सहित सेवादारों ने व्यवस्थाएं संभालीं.

भजन-कीर्तन से गूंजा धाम -रविवार सुबह से दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। शाम 4 बजे से भजन-कीर्तन के साथ अखंड रामायण पाठ जारी रहा। रात में भगवान धनवंतरी और बर्फानी दादाजी का पूजन-अर्चन कर खीर वितरण शुरू किया गया। आश्रम परिसर देर रात तक श्रद्धालुओं से भरा रहा।

51 शक्तिपीठों वाला गोपुरम बना आकर्षण-बर्फानी धाम में दक्षिण भारतीय वास्तुकला पर निर्मित भव्य गोपुरम श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा। प्रवेश द्वार पर 51 शक्तिपीठों की प्रतिमाएं प्रतिष्ठित हैं। परिसर में मां त्रिपुरा सुंदरी, मां बगलामुखी, बाला त्रिपुर सुंदरी, 151 किलो के पारदेश्वर महादेव, भगवान श्रीराम दरबार, संकटमोचन हनुमानजी और बर्फानी दादाजी की प्रतिमा के दर्शन के लिए भी भक्त पहुंचे।

विदुषी नीलिमा छापेकर एवं पं. सज्जनलाल भट्ट के मधुर सुरों से सजी 'स्वर चंद्रिका'



इन्दौर। शहर की प्रतिष्ठित संस्था अभिनव कला समाज, श्रुति संवाद संगीत समिति एवं किशोर संस्कृति मंच के संयुक्त तत्वावधान में शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर एक अद्वितीय संगीत कार्यक्रम %स्वर चंद्रिका% का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य प्रस्तुति विदुषी नीलिमा छापेकर एवं पं. सज्जनलाल भट्ट के सुरीले स्वर से सजी, जिन्होंने अपनी गायकी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अभिनव कला समाज सभागार में आयोजित कार्यक्रम मे मुंबई से विशेष तौर पर आमंत्रित और इंदौर शहर से लंबे अर्से से जुड़ी विदुषी नीलिमा छापेकर ने कार्यक्रम की शुरुआत में राग पूरिया धनाश्री में निबद्ध रचना तोरे चरन कैसे पाऊं से की जो पारंपरिक झपताल में एक नया कलेवर लिए उन्होंने प्रस्तुत की। उसके पश्चात जय जय करतार तोरी एकताल में और तीनताल में एक द्रुत बंदिश से इस राग की शोभा को विस्तारित किया। इस प्रस्तुति के बाद आपने राग मिश्र खमाज एवं राग मिश्र पहाड़ी में दादरा प्रस्तुत कर श्रोताओं को रिझाया और खूब दाद बटोरी। सुविख्यात तबलानवाज पं. विलास खरगोनकर ने अपने तबला संगत से प्रस्तुति के सौंदर्य को द्विगुणित कर आपके साथ बेहद सधी हुई संगत की।

इस प्रस्तुति के उपरांत भोपाल से पधारे, ग्वालियर घराने के प्रसिद्ध संगीतमनीषी और वरिष्ठ गायक पं. सज्जनलाल भट्ट ने मंच पर अपनी सुमधुर आमद दी7 आपके गायन में श्रोताओं को आपके सुदीर्घ सांगीतिक अवदान को सुनने का सुकून मिला7 आपके साथ धारदार तबला वादन किया शहर के युवा तबलावादक श्री अनूप अनूप राजे पंवार ने7 दोनों वरिष्ठ कलाकारों के साथ हार्मोनियम पर सुमधुर संगत वरिष्ठ हार्मोनियम वादक श्री रवि किल्लेदार ने की7 तानपुरा संगत की श्रीमती कीर्ति महाशब्दे एवं सुश्री पूर्वी सराफ ने।

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में संगीत क्षेत्र से जुड़े प्रख्यात संगीतज्ञ पं. सुनील मसूरकर, पं. प्रकाश शुजालपुरकर, पं. दिलीप मुंगी, विदुषी शोभा चौधरी, विदुषी कल्पना झोकरकर, डॉ. भाग्यश्री जोशी, विदुषी स्मिता मोकाशी की गरिमामयी उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

अतिथियों एवं कलाकारों का स्वागत प्रवीण कुमार खारीवाल, सत्यकाम शास्त्री, डॉ. पूर्वी निमगांवकर, डॉ. प्रशांत बंसोड़, वसुंधरा तिवारी, नरेंद्र भाले, विश्वास पूरकर, राकेश पांडे, अजय सराफ, बालकृष्ण सनेचा, श्रीमती ज्योत्स्ना सोहनी, डॉ. शिल्पा मसूरकर, सुश्री सोनाली यादव, सतीश फाल्के ने किया। इस अवसर पर विदुषी नीलिमा छापेकर एवं पं. सज्जनलाल भट्ट को अभिनन्दन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

रामौआ डैम के बैकवॉटर क्षेत्र से गुजरने वाली 220 केवी लाइन का शिफ्टिंग कार्य पूरा- ऊर्जा मंत्री श्री तोमर



इन्दौर। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने ग्वालियर के रामौआ डैम के बैकवॉटर क्षेत्र के समीप से गुजरने वाली महत्वपूर्ण 220 केवी महलगांव(ग्वालियर)-दतिया ट्रांसमिशन लाइन की शिफ्टिंग का कार्य पूरा कर लिया है। पुरानी लाइन डैम के बैकवॉटर क्षेत्र के नजदीक होने के कारण मानसून के दौरान पानी का स्तर बढ़ने पर विद्युत लाइन के कंडक्टर पानी के संपर्क में आने की आशंका रहती थी। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए लाइन को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने का कार्य किया गया।

श्री तोमर ने बताया कि एमपी ट्रांसको की इस सक्रिय पहल से मानसून के दौरान जलस्तर बढ़ने के कारण कंडक्टर के पानी के संपर्क में आने से उत्पन्न हो सकने वाले विद्युत व्यवधान की आशंका को दूर करने में मदद मिली है। समय रहते पूरा किया गया यह कार्य ग्वालियर क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति को सुरक्षित और निर्बाध बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण है। इससे संबंधित ट्रांसमिशन लाइन की विश्वसनीयता भी बढ़ी है।

मध्यप्रदेश के ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस के मुख्य अभियंता श्री दीपक कुमार अग्रवाल ने बताया कि इस कार्य के अंतर्गत पुरानी ट्रांसमिशन लाइन के 8 टावर हटाए गए, जिनसे संबंधित लाइन की लंबाई 2.860 किलोमीटर थी। इसके स्थान पर 10 नए टावर स्थापित कर 3.406 किलोमीटर लंबाई की लाइन तैयार की गई। इस प्रकार लाइन के मार्ग में आवश्यक बदलाव कर उसे डैम के बैकवॉटर क्षेत्र से उत्पन्न होने वाली संभावित समस्या से सुरक्षित किया गया।

रवि बनकर 9 साल किया महिला का शोषण, उसके चार साल के बेटे को भी नहीं बख्शा, इंदौर में जुनैद की हैवानियत का पर्दाफाश

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र में पहचान छिपाकर एक महिला के साथ धोखा करने, शारीरिक शोषण और उसके चार वर्षीय बेटे के साथ अप्राकृतिक कृत्य करने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की लिखित शिकायत पर रविवार रात पुलिस ने एफआइआर दर्ज की। इसके बाद आरोपित जुनैद को रविवार की रात गिरफ्तार कर लिया।

टीआई मनोज सेंधव के अनुसार मुकेरीपुरा नृसिंह बाजार की रहने वाली 28 वर्षीय पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई है कि वर्ष 2015 में उसकी मुलाकात आटो ड्राइवर जुनैद से हुई थी। आरोपित ने खुद को रवि निवासी नृसिंह बाजार बताकर अपनी असली पहचान और मुस्लिम धर्म की बात छिपाई थी। इसके बाद उसने खुद को रवि बताकर महिला से प्रेम का नाटक किया और शादी का झांसा देकर इंदौर के कई क्षेत्र कालानी नगर, चंदन नगर, जूना रिसाला और महावर नगर में किराए के कमरे लेकर कई साल तक उसका शारीरिक शोषण करता रहा।

2021 में खुला सच-पीड़िता ने बताया कि वर्ष 2021 में जब वह गर्भवती हुई और उसने शादी के लिए दबाव बनाया, तब आरोपित ने खुलासा किया कि उसका असली नाम रवि नहीं, बल्कि जुनैद है। पीड़िता के अनुसार आरोपित ने उसके पहचान पत्र और दस्तावेजों में भी नाम बदलवा दिया। शिकायत में पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपित जुनैद ने उसके चार साल के बेटे के साथ भी घर पर गलत कृत्य किया। इसकी जानकारी बच्चे ने स्वयं अपनी मां को दी। आरोपित महिला और बच्चे के साथ मारपीट भी करता था।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपित ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता हिंद रक्षक संगठन के संरक्षक एकलव्य गौड़ के पास पहुंची। उन्होंने मोबाइल पर अधिकारियों से बात की। इसके बाद पीड़िता को थाने भेजा गया। रविवार रात पुलिस ने महिला की शिकायत पर गंभीर धाराओं में एफआइआर दर्ज की और आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

आटो में आने-जाने के दौरान हुई पहचान- पीड़िता ने बताया कि उसका परिवार अन्नपूर्णा क्षेत्र में रहता है। वह खरीदारी करने राजवाड़ा गई थी। इसी दौरान घर छोड़ने के लिए आटो लेने के दौरान उसकी जुनैद से पहचान हुई। जुनैद ने अपना नाम रवि बताया और आने-जाने के लिए उसे फोन करने की बात कही। पीड़िता के अनुसार एक दिन जब उसने आरोपित का आइडी कार्ड देखा, तब उसे उसकी असली पहचान की जानकारी मिली। पुलिस सोमवार को कोर्ट में पीड़िता का बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया करेगी।

संक्षिप्त समाचार

राज्यमंत्री राधा सिंह का चार दिवसीय दौरा आज से



चितरंगी। मध्यप्रदेश शासन की पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री एवं चितरंगी विधायक श्रीमती राधा सिंह का चार दिवसीय सिंगरौली एवं उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले का दौरा 27 अक्टूबर से प्रारंभ हो रहा है। इस दौरान वे बैढ़न मेडिकल कॉलेज में आयोजित व्हाइट कोट सेरेमनी, श्रीमद्भागवत कथा, मुख्यमंत्री जन विश्वास यात्रा सहित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगी।

एनटीपीसी में कार्यशाला आयोजित

बैढन। एनटीपीसी विंध्याचल में मूल मूल्य अंतर्गत 24 अक्टूबर 2026 को क्षेत्रीय ज्ञानार्जन संस्थान के विश्वेश्वरैया हॉल में कर्मचारियों के लिए ऊआपसी सम्मान एवं विश्वासऊ विषय पर एक संवादात्मक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का संचालन डॉ. देबास्मिता त्रिपाठी, अपर महाप्रबंधक (आरएलआई) ने किया। उन्होंने वास्तविक जीवन की परिस्थितियों, विचारोत्तेजक केस स्टडी और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से इस मूल मूल्य के महत्व को समझाया। मेंटीमीटर के माध्यम से लाइव संवाद और दृश्य प्रस्तुतीकरण का प्रभावी उपयोग करते हुए उन्होंने प्रतिभागियों को सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। डॉ. त्रिपाठी ने विभिन्न परिस्थितियों और संवाद के माध्यम से बताया कि आपसी सम्मान एवं विश्वास एनटीपीसी के मूल मूल्यों की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि ये मूल्य मजबूत टीमों, प्रभावी संवाद, बेहतर सहयोग और संगठनात्मक उत्कृष्टता को सुदृढ़ करते हैं।

सुलखानखुर्द में 30 को लगेगा जन विश्वास शिविर

बैढन। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत 30 अक्टूबर को जनपद पंचायत चितरंगी की ग्राम पंचायत सुलखानखुर्द में जन विश्वास शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण तथा शासकीय योजनाओं और सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। प्रभारी कलेक्टर श्री संघप्रिय द्वारा शिविर के लिए चिन्हित लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत लंबित आवेदनों तथा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर समय-सीमा में निराकरण की कार्रवाई करें, ताकि शिविर के दौरान नागरिकों को समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

आखिर जनजातीय जाएं तो जाएं कहां : उमेश

सीधी। टोंको-रोको-ठोंको क्रांतिकारी मोर्चा के संयोजक उमेश तिवारी के नेतृत्व में सीधी शहर के पूजा पार्क से रैली एवं नारेबाजी के साथ आंदोलन का शुरूआत किया गया। रैली गांधी चौराहा होते हुए अस्पताल चौराहा होकर कलेक्टर कार्यालय के समक्ष वीथिका भवन आंदोलन स्थल में पहुंची जहां सभा शुरू हुई। सभा को संबोधित करते हुए उमेश तिवारी नें कहा की न पक्ष आपका और न विपक्ष आपका, दोनों में से कोई भी आदिवासियों के मुद्दों पर गौर नहीं करता। आदिवासी लोग विकास के विरोधी नहीं हैं, वे अपने गांव, अपनी जमीन, अपने जंगल और अपने भविष्य को बचाना चाहते हैं।

संचालन में मनमानी, नहीं खुलते ताले

आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्था चरमराई

■ अधिकारी नहीं करते केंद्र का औचक निरीक्षण



सीधी (ब्यूरो)

नगर पालिका परिषद सीधी क्षेत्र में संचालित दर्जनों आगनवाड़ी केंद्रों का नियमित रूप से ताला तक नहीं खुलता। कागजों में ही ज्यादातर केंद्र संचालित हो रहे हैं। केंद्रों के नियमित रूप से न खुलनें के कारण इनमें प्रवेशित बच्चों को पोषण आहार भी नहीं मिल रहा है। जिला मुख्यालय में संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों का यदि यह हाल है तो ग्रामीण अंचलों में संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों की हकीकत क्या होगी इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

प्रदेश सरकार द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों की दशा और दिशा सुधारनें के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिला मुख्यालय में संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों की हालत आज भी मनमानी में सिमटी हुई है। नगर पालिका परिषद सीधी क्षेत्र में वर्तमान में 59 आंगनवाड़ी केंद्र संचालित हैं। इन्हें दो सेक्टरों में विभाजित किया गया है। लेकिन सभी सेक्टरों में मनमानी का आलम है। यह अवश्य है कि कुछ आंगनवाड़ी केंद्र संचालित हो रहे हैं उनमें बच्चों की उपस्थिति भी देखी जा रही है। जिन आंगनवाड़ी केंद्रों में दबंग घरानों की महिलाएं कार्यकर्ता हैं उनके द्वारा केंद्र में नियमित रूप से आने की जरूरत भी नहीं समझी जाती। कभी कभार ऐसे आंगनवाड़ी केंद्रों का ताला सहायिका द्वारा खोलकर बच्चों को आधा-अधूरा पोषण आहार वितरित किया जाता है।

शहर में 5 वर्ष तक के बच्चों के लिए आंगनवाड़ी केंद्र में काफी सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। फिर भी अधिकांश सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। स्थिति यह है कि कई आंगनवाड़ी केंद्रों में तो बच्चो को खेलनें के लिए खिलौने तक के लाले पड़े हुए हैं। यह समस्या कब दूर होगी इसको लेकर पूरी तरह से अनिश्चितता व्याप्त है।

तीन वूशु खिलाड़ी राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए तमिलनाडु रवाना

सीधी (ब्यूरो)



25वीं जूनियर नेशनल वूशु चैंपियनशिप 28 अक्टूबर से 2 नवंबर तक जेप्पियार यूनिवर्सिटी, सेम्मनचेरी, चेन्नई तमिलनाडु में आयोजित होगी। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए सीधी जिले से 3 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। कु. ईक्षा तिवारी 75 किलो, अम्बर सेन 52 किलो और आर्यन यादव 90 किलो भार वर्ग। ये सभी खिलाड़ी वूशु ट्रेनिंग सेंटर पुलिस लाईन सीधी में नियमित अभ्यास करते हैं।

पुलिस अधीक्षक व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में मानिंद शेर अली खान जिला खेल प्रशिक्षक खेल एवं युवा कल्याण विभाग के द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है। आज अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सीधी सुश्री कमला जोशी ने हरी झंडी दिखाकर तमिलनाडु के लिए रवाना किया। उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन और खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला वूशु संघ की अध्यक्ष श्रीमती रंजन शुक्ला, सचिव श्रीमती मनीषा खानम प्रियंका केवट इंटरनेशनल खिलाड़ी उपस्थित रहे। सभी ने खिलाड़ियों को विजयश्री की शुभकामनाएं देकर रवाना किया।

बगदरा में प्रस्फुटन समितियों का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित



सीधी (ब्यूरो)

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला सिंगरौली के निर्देशन में विकासखंड चितरंगी के सेक्टर बगदरा अंतर्गत चंद्रलोक जन जागरण सेवा समिति द्वारा ग्राम पंचायत मांची कला में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य समितियों के पदाधिकारियों की नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ उन्हें सामाजिक दायित्वों एवं ग्राम विकास की गतिविधियों के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत मांची कला के सरपंच बुद्धिमान सिंह उपस्थित रहे। इस दौरान पंचायत सचिव अनिल सिंह, कार्यक्रम समन्वयक रामसिंह, मास्टर ट्रेनर प्रसन्ना मिश्रा एवं परामर्शदाता नीलू साकेत सहित ग्राम विकास प्रस्फुटन की पांचों समितियों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

युवाओं के कौशल प्रशिक्षण से रोजगार का अवसर

एनसीएल मल्टी स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण शुरू

सीधी (ब्यूरो)



नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) सिंगरौली की सीएसआर पहल के अंतर्गत सीडब्ल्यूएस आवासीय परिसर के निकट स्थित प्रशिक्षण केंद्र के मल्टी स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट में कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम बैच का शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य सिंगरौली (मध्य प्रदेश) एवं सोनभद्र (उत्तर प्रदेश) के युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार के अवसरों से जोड़ना है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत तीन वर्षों में 1,530 युवाओं को पांच ट्रेडों में प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन, असिस्टेंट माइन सर्वेयर, लोडर ऑपरेटर (माइनिंग), फोर-व्हीलर सर्विस टेक्नीशियन तथा फ्रंटलाइन हेल्थ केयरगिविंग असिस्टेंट (महिलाओं के लिए विशेष) शामिल हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को तकनीकी एवं व्यावहारिक कौशल प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे उनकी रोजगार क्षमता बढ़े और वे विभिन्न क्षेत्रों में आजीविका के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के तहत प्रमाणित प्रशिक्षित उम्मीदवारों को रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य भी रखा गया है। कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान एनसीएल के प्रबंधक (सीएसआर) प्रशांत कुमार, सीडब्ल्यूएस की प्रबंधक (सीएसआर) सुश्री श्वेता कुमारी, नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के उप महाप्रबंधक शांतनु घोष, मोसाइक प्राइवेट लिमिटेड से तरुण आनंद तथा अन्य उपस्थित रहे। शुभारंभ के अवसर पर बताया गया कि एनसीएल अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से स्थानीय युवाओं के कौशल विकास, रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण तथा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

राम से बड़ा राम का नाम- निलेश

सीधी (ब्यूरो)



पूजा पार्क में चल रही संगीतमय श्री राम कथा के प्रथम दिवस में कथा प्रवक्ता परम पूज्य निलेश महाराज कथा की शुरुआत व्यासपीठ से पवित्र श्लोकों, चौपाइयों और मंगलाचरण से किये, इसमें सबसे पहले विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश, ज्ञान की देवी माता सरस्वती, गुरुदेव और अंत में भगवान शिव व माता पार्वती की वंदना की और बताया गोस्वामी तुलसीदास जी के अनुसार किसी भी शुभ कार्य या कथा की शुरुआत से पहले सभी देवी-देवताओं, संतों और यहाँ तक कि दुष्टों की भी वंदना की जाती है, ताकि कथा निर्विघ्न संपन्न हो सके।

रामकथा और राम नाम की महिमा भक्तों को यह समझाते हैं कि राम से बड़ा राम का नाम है। भवसागर से मुक्ति कलयुग में केवल प्रभु के नाम सुमिरन से ही मनुष्य का कल्याण हो सकता है। रामकथा जीवन जीने की एक उत्तम कला सिखाती है।

भूमिहीनों को पट्टे मिले, जमीन पर कब्जा नहीं : ज्ञान

सीधी (ब्यूरो)



जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने जिला कांग्रेस कार्यालय जवाहर भवन में पत्रकार वार्ता आयोजित कर भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि चुनावी वर्ष 2023 में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा भूमिहीन परिवारों को आवासीय भूखंड के पट्टे वितरित किए जाने के बावजूद तीन वर्ष बीत जाने पर भी हितग्राहियों को जमीन पर वास्तविक कब्जा नहीं मिल पाया है। उन्होंने बताया कि आज इस संबंध में कलेक्टर सीधी को पत्र लिखकर तत्काल भूमिहीनों को भूखंड आवंटन करने की मांग की है। उन्होंने कलेक्टर को वितरित किए गए पट्टों की छाया प्रति भी सौंपी है।

पत्रकार वार्ता में ज्ञान सिंह ने वितरित पट्टों की कॉपी दिखाते हुए कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा भूमिहीन परिवारों को 5 डिसमिल आवासीय भूखंड का पट्टा वितरित किया गया था लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि पट्टा वितरण के लगभग तीन वर्ष बाद भी अनेक भूमिहीन परिवारों को आवंटित भूमि मौके पर उपलब्ध नहीं कराई जा सकी है।

टाटा कॉलेज में हुआ रोजगार मेले का आयोजन



सीधी (ब्यूरो)

विद्यार्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में टाटा महाविद्यालय, सीधी ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

महाविद्यालय में आज 27 अक्टूबर को आयोजित कैंपस सिलेक्शन प्रक्रिया के माध्यम से 40 विद्यार्थियों का विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन हुआ। इस उपलब्धि से महाविद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल रहा। कैंपस सिलेक्शन प्रक्रिया में फोर्स मोटर्स, जेड स्टीयरिंग, आयशर ट्रक्स, यूएनओ मिंडा, वेलमैक्स मेटल एवं बालाजी बफर्स जैसी कंपनियों ने भाग लिया। इन कंपनियों में विद्यार्थियों का चयन होना महाविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रोत्साहित करना रहा।

8 रेलवे स्टेशनों पर बनेंगे हाई लेवल प्लेटफार्म

■ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी स्वीकृति

सीधी (ब्यूरो)

सीधी लोकसभा क्षेत्र में रेल सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के आग्रह पर संसदीय क्षेत्र के 8 रेलवे स्टेशनों को हाई लेवल प्लेटफॉर्म के रूप में उन्नत करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।



इससे क्षेत्र में रेल यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने बताया कि संसदीय क्षेत्र के अनेक रेलवे स्टेशनों पर कुछ ट्रेनों का ठहराव तो है, लेकिन हाई लेवल प्लेटफॉर्म की सुविधा नहीं होने के कारण यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के समक्ष इन स्टेशनों पर हाई लेवल प्लेटफॉर्म विकसित करने का आग्रह किया था।

सांसद के अनुसार उनके आग्रह पर रेल मंत्री द्वारा संसदीय क्षेत्र के 8 रेलवे स्टेशनों को हाई लेवल प्लेटफॉर्म के रूप में उन्नत करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

सोमेश्वर सिंह जन सरोकार के प्रतिबद्ध कवि- पूजा

■ चलो कहीं और चलें का लोकार्पण संपन्न

सीधी (ब्यूरो)

इंदौर में आयोजित प्रगतिशील लेखक संघ मध्य प्रदेश के चौदहवें राज्य सम्मेलन के अवसर पर सोमेश्वर सिंह के कविता संग्रह चलो कहीं और चलें का लोकार्पण वरिष्ठ कवि कुमार अंबुज, सीपीआई राज्य सचिव शैलेंद्र शैली, छत्तीसगढ़ प्रगतिशील लेखक संघ के अध्यक्ष नथमल शर्मा, हरनाम सिंह, मोहन कुमार डेहरिया, पवित्र सलालपुरिया, सारिका श्रीवास्तव, सत्यम पांडे के कर कमलों से संपन्न हुआ। कविता संग्रह की प्रस्तावना एसजीएस कॉलेज हिंदी विभाग के रिटायर्ड विभाग अध्यक्ष डॉक्टर लहरी सिंह ने लिखी है।

एनसीसी के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित

सीधी (ब्यूरो)

एमपी बटालियन एनसीसी रीवा के तत्वावधान में जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में वार्षिक प्रशिक्षण शिविर एटीसी-176 का आयोजन किया जा रहा है। 24 अक्टूबर से 2 नवंबर तक चलने वाले इस शिविर में विभिन्न विद्यालयों के 387 एनसीसी कैडेट प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इनमें अधिकांश कैडेट जूनियर डिवीजन जेडी के हैं।

शिविर में कैडेटों को सैन्य प्रशिक्षण देने के साथ अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। शिविर का संचालन कमांडिंग ऑफिसर कर्नल उम्मीद थापा के मार्गदर्शन तथा प्रशासनिक अधिकारी भानु प्रताप सिंह रतनावत के निर्देशन में किया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत कैडेटों को ड्रिल, मैप रीडिंग, एफसीबीसी और स्वच्छता जागरूकता सहित विभिन्न सैन्य एवं शैक्षणिक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन गतिविधियों के माध्यम से कैडेटों में शारीरिक दक्षता, मानसिक दृढ़ता, आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना विकसित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। साथ ही, उन्हें सामूहिक रूप से कार्य करने, निर्देशों का पालन करने और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक ने जनसुनवाई में सुनीं समस्याएं

सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी ने आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएँ सुनीं। उन्होंने प्राप्त आवेदनों के संबंध में संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की तथा उनके निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीएव्ही की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अभिनव पाठक ने गाड़े सफलता के झंडे

हाई जंप में जीता स्वर्ण, रिले रेस में हासिल किया कांस्य पदक

सीधी (ब्यूरो)





दिल्ली में आयोजित डीएव्ही की राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिता में सिंगरौली जिले के देवसर क्षेत्र अंतर्गत सुपेला गांव के होनहार खिलाड़ी अभिनव पाठक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अभिनव ने हाई जंप प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया, वहीं रिले रेस में कांस्य पदक हासिल कर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम की। अभिनव पाठक की इस सफलता से देवसर क्षेत्र सहित पूरे जिले में हर्ष का माहौल है। अभिनव मूल रूप से सुपेला गांव के निवासी हैं और क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी घनश्याम पाठक के पौत्र हैं। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में दो पदक जीतकर उन्होंने अपने परिवार, गांव और पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है।

अभिनव पाठक की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों, शुभचिंतकों और खेल प्रेमियों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई है कि अभिनव आने वाले समय में भी इसी तरह शानदार प्रदर्शन कर जिले और प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे।

एनटीपीसी में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ

सीधी (ब्यूरो)



एनटीपीसी विंध्याचल में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं नैतिक प्रशासन के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए 27 अक्टूबर को प्रशासनिक भवन स्थित सभागार में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में एम. सुरेश, महाप्रबंधक , मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर निर्मल कुमार सिंह, महाप्रबंधक , सी.बी. ओझा, महाप्रबंधक , एच.पी. देवांगन, महाप्रबंधक , डॉ. बी.के. भराली, महाप्रबंधक (चिकित्सा सेवाएं) तथा अनिरुद्ध सिंह, मानव संसाधन प्रमुख उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभागाध्यक्षों, यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधियों तथा कार्यपालक प्रशिक्षुओं ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात टी.आर. राधिश, अपर महाप्रबंधक ने स्वागत उद्बोधन में सतर्कता जागरूकता सप्ताह की विषयवस्तु ÷सत्यनिष्ठा से समृद्धि÷ के अंतर्गत आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी तथा सभी से उत्साहपूर्वक भाग लेने का आह्वान किया।

फ्रांस-इटली और स्पेन समेत यूरोप के कई देशों में हिंसक प्रदर्शन, सड़कों पर उतरे लाखों लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूरोप के कई देशों में वीकेंड पर महंगाई, आवास संकट, पेंशन कटौती, शिक्षा व्यवस्था में गिरावट, भ्रष्टाचार और युद्ध के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन देखने को मिले। शनिवार को फ्रांस, अल्बानिया, इटली, स्पेन और पुर्तगाल में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए।

कई शहरों में प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ हिंसक झड़पें हुईं, जिसके बाद सरकारों को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करनी पड़ी और कुछ स्थानों पर सेना तक को तैनात करना पड़ा।

फ्रांस में शनिवार को हुए प्रदर्शनों के दौरान भारी तनाव देखा गया। गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज के अनुसार, देशभर में लगभग 1000 लोगों को हिरासत में लिया गया है।



सरकार के अनुमान के मुताबिक करीब 4.10 लाख लोगों ने इन रैलियों में हिस्सा लिया, जबकि आयोजकों ने यह संख्या लगभग 8 लाख बताई।

पेरिस में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प के बाद पुलिस ने वाटर कैनन और आंसू गैस के गोले दागे। उपद्रवियों पर नजर रखने के लिए पुलिस हेलीकॉप्टर भी तैनात किए गए।

वामपंथी नेता ज्यां-लुक मेलेंशों ने पुलिस की सख्त कार्रवाई की आलोचना की, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने एक चुनावी रैली में फ्रांस के हालात के लिए वहां की इमिग्रेशन नीतियों को जिम्मेदार ठहराया।

अल्बानिया की राजधानी तिराना समेत कई शहरों में छात्रों के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारी भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और खराब शिक्षा व्यवस्था को लेकर आक्रोशित थे।

उन्होंने ट्यूशन फीस कम करने और शिक्षा बजट बढ़ाने की मांग के साथ-साथ प्रधानमंत्री एडी रामा के इस्तीफे की भी मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कृषि मंत्रालय के प्रवेश द्वार पर आग लगा दी, सरकारी इमारतों और बैंकों को निशाना बनाया तथा पुलिस पर पत्थर और पटाखे फेंके। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए दंगा रोधी पुलिस ने आंसू गैस, वॉटर कैनन और रबर की गोलियों का इस्तेमाल किया।

केन्या में भीषण सड़क हादसा, बस और ट्रक की टक्कर में 22 लोगों की मौत



नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्या के मुख्य राजमार्ग पर रविवार सुबह एक यात्री बस और ट्रक के बीच हुई भीषण टक्कर में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस के अनुसार, इस दर्दनाक हादसे में कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

माकुएनी काउंटी कमिश्नर अब्दुल्लाही खलीफ ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बस में सवार यात्री एक अंतिम संस्कार कार्यक्रम से लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना घटी।

राजधानी नैरोबी को तटीय शहर मोम्बासा से जोड़ने वाले इस प्रमुख राजमार्ग पर हुए हादसे के सटीक कारणों का अभी पूरी तरह पता नहीं चल पाया है। हालांकि, केन्या में अक्सर तेज रफ्तार और सड़कों की खराब स्थिति को ऐसे बड़े हादसों की मुख्य वजह माना जाता रहा है।

तीन हफ्ते पहले भी उसी हाईवे पर गई थी 17 जानें- यह हादसा ठीक उसी हाईवे पर हुआ है, जहां महज तीन हफ्ते पहले एक अन्य दुर्घटना में 17 लोगों की जान चली गई थी।

केन्या के राष्ट्रीय परिवहन और सुरक्षा प्राधिकरण ने बताया कि राजमार्ग का यह हिस्सा पहले से ही एक चिन्हित एक्सीडेंट ब्लैक स्पॉट है, यहां सुरक्षा सुधारों के लिए पूर्व में कई सिफारिशें भी की जा चुकी थीं।

भारत ने 5 महीने में की ताबड़तोड़ दालों की खरीद! 15% तक महंगी हुई अरहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू बाजारों में दालों की आपूर्ति के लिए भारत विदेशी व्यापार पर निर्भर है। भारत में दालों का आयात चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले 5 महीनों यानी अप्रैल से अगस्त के दौरान सालाना आधार पर 67% बढ़कर 20.6 लाख टन पहुंच गया। घरेलू उत्पादन में संभावित गिरावट की आशंका और अल नीनो के खतरे के बीच इंपोर्ट में यह बढ़ोतरी देखने को मिली है। व्यापार से जुड़े मीडिया सूत्रों के मुताबिक आने वाले महीनों में दालों का आयात धीमा पड़ सकता है, क्योंकि कनाडा से आने वाली पीली मटर और मसूर की कीमतों में पिछले महीने बढ़ोतरी हुई है। इन दालों के आयात में सबसे ज्यादा उछाल- चालू फाइनेंशियल ईयर के पहले 5 महीनों में मसूर और पीली मटर के इंपोर्ट में सबसे अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई। मसूर का आयात पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 200त्न बढ़कर 6.4 लाख टन हो गया। वहीं, पीली मटर का आयात 114त्न बढ़कर 6.2 लाख टन पहुंच गया। इस दौरान अरहर के आयात में 10त्न की बढ़ोतरी देखी गई और आंकड़ा 3.5 लाख टन रहा। इसके उलट उड़द के आयात में 3त्न की गिरावट आई और यह 2.7 लाख टन रह गया।



भारतीय नौसेना का पहला ट्रेनिंग स्क्वाड्रन पहुंचा श्रीलंका, 3 दिन की सद्भावना यात्रा शुरू



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना का पहला प्रशिक्षण स्क्वाड्रन सोमवार को श्रीलंका पहुंचा। इसमें दो युद्धपोत और एक तटरक्षक जहाज शामिल हैं। यह तीन दिवसीय सद्भावना यात्रा है, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग को बढ़ावा देना है।

यह यात्रा एक लंबी दूरी के प्रशिक्षण अभियान का हिस्सा है। कोच्चि स्थित अपने बेस पोर्ट पर लौटने से पहले, यह स्क्वाड्रन सेशेल्स के पोर्ट विक्टोरिया और मालदीव के माले में भी रुकेगा।

यह स्क्वाड्रन भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल और मित्र विदेशी नौसेनाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों को शुरुआती समुद्री प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह पहले प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के वरिष्ठ अधिकारी और आइएनएस तीर के कमांडिंग आफिसर कैप्टन टीजो के. जोसेफ की कमान में है। भारतीय मिशन ने बताया कि श्रीलंका नौसेना के पांच प्रशिक्षु अधिकारी भी इस लंबी दूरी के प्रशिक्षण अभियान में शामिल हो रहे हैं।

खुद के बच्चे के अपहरण मामले में जेल में बंद महिला को राहत, न्यूयॉर्क कोर्ट का नए सिरे से विचार करने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के न्यूयॉर्क से एक दिलचस्प और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। अपने ही बच्चे का अपहरण करने के जुर्म में 7 साल की सजा काट रही एक महिला को अपनी चाइल्ड-सपोर्ट की बकाया रकम को चुनौती देने के लिए एक और मौका मिल गया है।



न्यूयॉर्क की एक अपील अदालत ने निचली अदालत के फैसले को खारिज करते हुए इस मामले में नए सिरे से सुनवाई करने का आदेश दिया है।

समझिए क्या है पूरा मामला- बता दें कि चेल्सी फोर-रोसेनबौम नामक महिला और उसके पति अलेक्जेंडर फोर-रोसेनबौम का 2019 में एक बच्चा हुआ था। साल 2021 में विवाद तब बढ़ा जब चेल्सी अपनी मां के साथ मिलकर बच्चे को घर से ले गई और लगभग दो महीने तक पिता व पुलिस से उसकी लोकेशन छुपाकर रखी।

इसके बाद चेल्सी को गिरफ्तार कर लिया गया और बाद में कोर्ट ने उसे सेकंड-डिग्री किडनैपिंग और बच्चे को खतरे में डालने का दोषी मानते हुए 7 साल की जेल की सजा सुनाई।

चाइल्ड-सपोर्ट का आदेश- गिरफ्तारी के बाद पति अलेक्जेंडर ने तलाक और चाइल्ड-सपोर्ट के लिए अर्जी दी। 2022 में फैमिली कोर्ट ने चेल्सी की उस समय की इनकम के आधार पर उसे हर हफ्ते लगभग 47000 रुपये बच्चे के खर्च के तौर पर देने का आदेश दिया, जबकि तब तक वह जेल जा चुकी थी।

गौरतलब है कि साल 2023 में जेल से ही चेल्सी ने कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि जेल के अंदर उसकी इनकम न के बराबर है और वह इतना भारी-भरकम भुगतान नहीं कर सकती। उसने न्यूयॉर्क फैमिली कोर्ट एक्ट की धारा 413(1)(द्द) का हवाला दिया, जिसके तहत यदि किसी माता-पिता की आय संघीय गरीबी रेखा से नीचे या उसके बराबर है, तो जेल या कम आय के समय का बकाया चाइल्ड-सपोर्ट लगभग 47000 रुपये से ज्यादा नहीं बढ़ सकता।

अब अपील अदालत ने क्या कहा?

चेल्सी इस फैसले के खिलाफ न्यूयॉर्क की अपीलीय अदालत में गई। अपील अदालत ने निचले कोर्ट की गलती पकड़ते हुए कहा कि कोर्ट ने गलत सवाल पर ध्यान केंद्रित किया। अदालत ने कहा कि यह मामला बकाया राशि को पूरी तरह रद्द करने का नहीं, बल्कि यह जांचने का है कि क्या जेल में रहते हुए चेल्सी की आय वास्तव में इतनी कम थी कि उस पर 500 की कानूनी सीमा लागू होनी चाहिए।

अदालत ने यह भी कहा कि भले ही भविष्य का भुगतान कम कर दिया गया हो, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया कि चेल्सी की आय गरीबी रेखा से नीचे कब-कब और कितने समय तक रही।

मजबूती के साथ हुआ बंद, तेल की कीमतों में नरमी और मजबूत वैश्विक संकेतों ने मार्केट को दिया सहारा



नई दिल्ली (एजेंसी)। 26 अक्टूबर को भारतीय इक्विटी मार्केट मजबूती के साथ बंद हुआ, जिसमें निफ्टी 22,700 के स्तर पर रहा। सेंसेक्स 482.92 अंक या 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73,606.75 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 153.20 अंक या 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,753.20 पर रहा।

निफ्टी में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज करने वालों में डॉ रेड्डीज लैब्स, बीएसई लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील, मैक्स हेल्थकेयर और एटरनल शामिल रहे, जबकि गिरावट वाले शेयरों में श्रीराम फाइनेंस, टाटा कंज्यूमर, एचडीएफसी लाइफ, बजाज फाइनेंस और एचडीएफसी बैंक शामिल रहे।

स्नस्थ्त, मीडिया और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स को छोड़कर, अन्य सभी सेक्टोरल सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। इनमें फार्मा, मेटल और ऑयल एंड गैस में 1-1 प्रतिशत की तेजी रही, जबकि इंफ्रा, ढ्ढञ्ज, प्राइवेट बैंक, एनर्जी और रियल्टी में 0.4 से 0.9 प्रतिशत की बढ़त देखी गई।

निफ्टी मिडकैप सूचकांक में 1 प्रतिशत और स्मॉलकैप सूचकांक में 1.5 प्रतिशत की तेजी आई।

इन फैक्टर्स ने बदला मार्केट का रुख- वैल्यू बाइंग = लगातार चार सत्रों की गिरावट के बाद, निवेशकों ने निचले स्तरों पर सस्ते हो चुके शेयरों में खरीदारी की। पिछले हफ्ते घरेलू बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने महंगाई और कंपनियों की कमाई को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी = शुक्रवार को भारतीय बाजार बंद होने के बाद, ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स लगभग 114.5 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। यह लगभग छह महीने के उच्चतम स्तर 117 अमेरिकी डॉलर से थोड़ा नीचे आया है। हालांकि, यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब पर लगातार हो रहे हमलों के कारण तेल की आपूर्ति को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं।

स्नढ्ढह्ल की खरीदारी = विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 887.65 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। अक्टूबर में अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 48,056 करोड़ रुपये निकाले हैं। हालांकि, पिछले हफ्ते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली में काफी कमी आई।

मजबूत ग्लोबल संकेत = एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख देखने को मिला, जिसमें हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक बढ़त के साथ रहा। अमेरिकी स्टॉक फ्यूचर्स में भी तेजी रही, जो वॉल स्ट्रीट के शेयरों के लिए एक मजबूत शुरुआत का संकेत है।

मक्का की मस्जिद में अश्लील हरकत पर सिर कलम करने की सजा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मक्का की एक मस्जिद के अंदर अश्लील हरकत करने का दोषी पाए जाने के बाद, 14 अक्टूबर को दो बांग्लादेशी नागरिकों (एक पुरुष और एक महिला) को मौत की सजा दी गई।

बांग्लादेशी अखबार प्रोथोम आलो में रविवार को छपी रिपोर्ट के मुताबिक, जेद्दा में बांग्लादेश के महावाणिज्य दूतावास (कॉन्सुल जनरल) ने 19 अक्टूबर को मक्का में सऊदी विदेश मंत्रालय की शाखा को एक राजनयिक पत्र भेजा, जिसमें इस बांग्लादेशी नागरिकों को दी गई सजा को लेकर छह सवालों के जवाब मांगे गए हैं।



बांग्लादेश ने सऊदी अरब से मांगे 6 सवालों के जवाब- बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश ने सऊदी अरब से मक्का क्षेत्र में अपने दो नागरिकों को दी गई मौत की सजा के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जेद्दा में बांग्लादेश के महावाणिज्य दूत ने उसी दिन एक बैठक के दौरान सऊदी विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के सामने भी यह मुद्दा उठाया।

प्रोथोम आलो की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश ने अपने राजनयिक पत्र में उन अपराधों का विवरण मांगा है जिनके लिए इन दो नागरिकों को दोषी ठहराया गया था।

एक और सवाल में यह भी पूछा गया है कि ये घटनाएं कब और कहां हुईं।

बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी की तारीखों और अदालत के फैसलों की प्रमाणित प्रतियों की भी मांग की गई है।

ढाका ने सऊदी अधिकारियों से पूछा है कि क्या मौत की सजा सिर काटकर दी गई थी या किसी अन्य तरीके से।

यह भी पूछा गया है कि उनके शव कहां हैं और क्या उन्हें बांग्लादेश वापस भेजा जाएगा या सऊदी अरब में ही दफना दिया गया है।पत्र में यह भी पूछा गया है कि क्या जांच और सुनवाई के दौरान इन दो नागरिकों की ओर से कोई वकील मौजूद था और क्या उन्होंने कानूनी मदद मांगी थी।

सऊदी अरब से अब तक नहीं आया कोई जवाब

बांग्लादेशी अधिकारियों का कहना है कि उनके राजनयिक मिशनों के पास इन लोगों को दी गई सजा से जुड़ी कानूनी कार्यवाही की कोई विस्तृत जानकारी नहीं है।

अखबार ने बांग्लादेशी अधिकारियों के हवाले से बताया कि सऊदी अधिकारियों ने वाणिज्य दूतावास के इस ताजा राजनयिक पत्र का अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है।ढाका ने 20 अन्य बांग्लादेशी नागरिकों के बारे में भी जानकारी मांगी है, जिनके नाम सऊदी कैदियों की सूची में दोषी के तौर पर दर्ज थे, लेकिन उनकी सजाओं का जिक्र नहीं था।

मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर बड़े हमले की तैयारी में ट्रंप, मिडिल ईस्ट भेजा तीसरा कैरियर स्ट्राइक ग्रुप और 10 हजार सैनिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनावों के बाद पश्चिम एशिया में अमेरिकी सेना ईरान पर दोबारा हवाई हमले शुरू कर सकती है।

यदि संघर्ष फिर से भड़कता है, तो अमेरिकी कमांडरों के पास पर्याप्त सैन्य विकल्प रहें, इसके लिए ट्रंप ने फारस की खाड़ी में तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप और लगभग 10000 अतिरिक्त नौसैनिक और मरीन जवान तैनात कर दिए हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री का इजरायल दौरे के बीच खाड़ी में बढ़ता तनाव- बीते सप्ताह अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बिना किसी पूर्व सूचना के इजरायल का दौरा किया। इजरायल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए अहम आम चुनावों से ठीक पहले हुई इस मुलाकात में दोनों नेताओं के बीच रणनीतिक



चर्चा हुई।

ज्ञात हो कि अमेरिका के साथ मिलकर इजरायल ने ही ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान की शुरुआत की थी। इस बीच, ईरानी हमलों की जद में आए मध्य पूर्व के कई अमेरिकी सैन्य अड्डों पर कर्मियों की संख्या में कटौती की गई है।

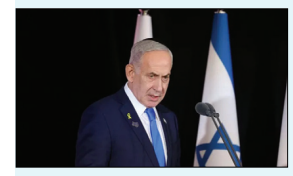
उधर, ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब में किए जा रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद अमेरिकी विदेश विभाग ने रियाद स्थित राजनयिकों और उनके परिवारों को वहां से निकलने का आदेश दिया है। हूतियों द्वारा रियाद हवाई अड्डे और ऊर्जा ठिकानों पर किए गए हमलों में दर्जनों लोग मारे गए हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं।

दूसरी ओर, ईरान भी चुनाव के आसपास संभावित अमेरिकी बमबारी से निपटने और पूरे पश्चिम एशिया में जवाबी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। जानकारों के मुताबिक, अमेरिकी चुनाव और जनवरी में नई कांग्रेस के शपथ ग्रहण के बीच का समय सबसे तनावपूर्ण साबित हो सकता है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रविवार को तेहरान में कहा कि अमेरिका और इजरायल के साथ दोबारा युद्ध शुरू होने पर भी उनके देश का रुख नहीं बदलेगा।

उन्होंने कहा कि हाल ही में नए युद्ध की बातें हो रही हैं, लेकिन मैं युद्ध के बाद के दौर के बारे में सोच रहा हूं।

इजरायल में वोटिंग से ठीक पहले पीएम नेतन्याहू और IDF चीफ में तनातनी



नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल में चुनाव से ठीक एक दिन पहले पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और IDF चीफ ऑफ स्टाफ जनरल एयाल जमीर के बीच सैन्य अभियान को लेकर मतभेद की खबर है। ऐसी अटकलें हैं यह संभावित सैन्य कार्रवाई ईरान पर एक नए हमले से जुड़ी हो सकती है।

इजरायली मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सेना प्रमुख जनरल एयाल जमीर ने प्रस्तावित अभियान को आगे बढ़ाने से पहले प्रधानमंत्री नेतन्याहू से और अधिक चर्चा करने और लिखित कानूनी मंजूरी की मांग की है।

सेना के सूत्र के मुताबिक यह कदम सीधे तौर पर ईरान के साथ तनाव को भड़का सकता है। ऐसे में संवेदनशील समय पर किसी भी गलत फैसले का बड़ा जोखिम हो सकता है।

कुछ अन्य अज्ञात सूत्रों ने यह आशंका भी जताई है कि राजनीतिक नेतृत्व चुनाव में बढ़त हासिल करने के लिए ईरान के मुद्दे का इस्तेमाल कर सकता है।

टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के अनुसार नेतन्याहू ने एक इंटरव्यू में इन मतभेदों और आरोपों को बकवास कहकर खारिज कर दिया।

हालांकि, इससे पहले उन्होंने टीवी पर दिए एक बयान में कहा था कि उन्होंने ढ्ढष्ठस्र और मोसाद को ईरानी शासन को गिराने की दिशा में काम करने के निर्देश दिए हैं।

ट्रंप ने नेतन्याहू का खुलकर किया समर्थन

इस राजनीतिक और सैन्य खींचतान के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर खुलकर समर्थन किया। उन्होंने इजरायली प्रधानमंत्री के प्रति अपना समर्थन दोहराते हुए मतदाताओं से मंगलवार के चुनाव में उनका साथ देने की अपील की।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, % इजरायल के लोग जिन्होंने इसे नहीं देखा है, उनके लिए मैं वह समर्थन पत्र फिर से साझा कर रहा हूं जो मैंने एक हफ्ते पहले आपके प्रधानमंत्री, बीबी नेतन्याहू को दिया था। जैसा कि सभी जानते हैं यहां तक कि हमारे दुश्मन भी बीबी और मेरे बीच एक बेहतरीन तालमेल रहा है, जिससे हमने मिलकर जीत हासिल की है। जब आप वोट डालने जाएं, तो कृपया याद रखें कि बीबी एक असाधारण योद्धा प्रधानमंत्री रहे हैं । अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्रुथ सोशल पर आगे लिखा, कुछ लोगों ने इजरायल को छोटा शैतान और अमेरिका को बड़ा शैतान कहा था। अब दुनिया भर में अमेरिका मुर्दाबाद, इज़राइल मुर्दाबाद के नारे नहीं सुनाई देने चाहिए, और न ही सुनाई देंगे। प्रधानमंत्री पद के लिए बीबी नेतन्याहू को वोट दें, हमें उस काम को पूरा करना है जिसे हमने शुरू किया था।%

स्टारलिंक नियमों के उल्लंघन के आरोपों पर विवाद, एलन मस्क के दावों को यूक्रेन ने किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क और यूक्रेन के बीच स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के इस्तेमाल को लेकर विवाद बढ़ गया है। एलन मस्क ने दावा किया है कि यूक्रेनी सेना ने ड्रोन हमलों के लिए नागरिक सैटेलाइट नेटवर्क का उपयोग करके स्टारलिंक की सेवा शर्तों का उल्लंघन किया है।



वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के रक्षा प्रौद्योगिकी सलाहकार सेरही बेस्क्रस्तनोव ने इन दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि यूक्रेन में नागरिक प्रणाली पर लंबे समय से प्रतिबंध लागू हैं, जिसके चलते इस तरह के आक्रामक हमलों के लिए स्टारलिंक का इस्तेमाल करना पूरी तरह नामुमकिन था।

रूस के भीतर नहीं काम करती यह सेवा- बेस्क्रस्तनोव के अनुसार, नागरिक स्टारलिंक नेटवर्क से संचालित होने वाले ड्रोनों पर 70 से 90 किमी/घंटा की गति सीमा निर्धारित थी और यह सेवा रूस के भीतर काम भी नहीं करती, जिससे इसका उपयोग मध्यम या लंबी दूरी के हमलों में किया ही नहीं जा सकता।

आक्रामक ड्रोन हमलों के लिए नहीं दी गई थी अनुमति- मस्क ने शनिवार को स्वीकार किया कि स्पेसएक्स ने यूक्रेन में स्टारलिंक की सेवाओं को सीमित कर दिया था। मस्क ने लिखा, %नागरिकों के लिए बनी कमर्शियल सेवा स्टारलिंक का इस्तेमाल लोगों को मारने और आक्रामक ड्रोन हमलों के लिए करने की कभी अनुमति नहीं दी गई थी, और न ही ऐसा होना चाहिए।

यूक्रेन की सेना ने स्टारलिंक की सेवा शर्तों का उल्लंघन किया है और इसका इस्तेमाल लोगों को निशाना बनाने वाले आक्रामक ड्रोन हमलों में किया है।

रूस में यूक्रेन का भीषण हमला, दो लोगों की मौत और 17 घायल; ट्रेन सेवा पर असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के वोरोनिश इलाके में ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई और एक बच्चे समेत 17 लोग घायल हो गए। वोरोनिश के गवर्नर अलेक्जेंडर गुसेव ने इस हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने क्षेत्र में 113 ड्रोन मार गिराए हैं।

औद्योगिक परिसरों में लगी आग- गवर्नर अलेक्जेंडर गुसेव ने मैसेजिंग ऐप पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि रात भर चले हमलों के दौरान रूसी एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह सक्रिय रहा।

इलाके में 113 से अधिक ड्रोनों को नष्ट किया गया है। ड्रोन का मलबा गिरने और हमलों के कारण कई औद्योगिक क्षेत्रों में भीषण आग लग गई, जिस पर काबू पाने के लिए दमकल और आपातकालीन टीमें जुटी हुई हैं।

अनापा-मॉस्को पैसेंजर ट्रेन क्षतिग्रस्त- रूसी रेलवे के अनुसार, इस हमले की चपेट में एक यात्री ट्रेन भी आ गई। यह ट्रेन क्रास्नोडार क्षेत्र के मशहूर पर्यटन शहर अनापा से राजधानी मॉस्को जा रही थी।

हमले में ट्रेन को नुकसान पहुंचा है और उसमें सवार 5 यात्री घायल हुए हैं। सुरक्षा और ट्रैक की जांच के मद्देनजर वोरोनिश से होकर गुजरने वाले पूरे रेल नेटवर्क पर यात्री ट्रेनों का परिचालन अस्थायी रूप से रोक दिया गया है।

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र के रायपुर गांव में दंपती ने की आत्महत्या, पंखे के कुंदे से लटके मिले शव

भोपाल। राजधानी के ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र के रायपुर गांव से एक बेहद दर्दनाक और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ पति-पत्नी ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों के शव घर के एक ही कमरे में पंखे के कुंदे से लटके हुए मिले। घटना 25 अक्टूबर की रात की बताई जा रही है। सुबह इस घटना की जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

दूसरे कमरे में सो रहे थे दोनों बच्चे : पुलिस के अनुसार, घटना के समय दंपती के दो बच्चे (उम्र 15 और 13 साल) घर के दूसरे कमरे में सो रहे थे। सुबह जब एक पड़ोसी ने घर का मुख्य गेट खुला देखा और अंदर जाकर देखा, तब इस खौफनाक वारदात का पता चला। माता-पिता के एक साथ उठाए गए इस खौफनाक कदम के बाद परिवार के दोनों मासूम बच्चे पूरी तरह अकेले और अनाथ हो गए हैं।

मजदूरी करते थे, पिछले कुछ दिनों से चल रहा था विवाद : ईंटखेड़ी थाना प्रभारी आशीष सप्रे ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि मृतकों की पहचान सुरेंद्र सिलावट और उनकी पत्नी मोना के रूप में हुई है, जो मजदूरी का काम करते थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि पिछले चार-पाँच दिनों से पति-पत्नी के बीच आपसी विवाद चल रहा था। हालांकि, आत्महत्या की असल वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है।

पड़ोसी से विवाद के एंगल पर भी जांच : प्रारंभिक जांच में यह बात भी सामने आई है कि घटना से चार दिन पहले मृतक दंपती का किसी पड़ोसी के साथ भी विवाद हुआ था। पुलिस इस एंगल को ध्यान में रखकर भी गहनता से जांच कर रही है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले से जुड़े अन्य सभी पहलुओं की बारीकी से पड़ताल की जा रही है।

सुरक्षित दीपावली मनाएं, बिजली ट्रांसफार्मर से दूर लगाएं पटाखों की दुकान : तोमर

भोपाल (ब्यूरो)

नियमानुसार अस्थाई कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे दीप पर्व पर विद्युत सुरक्षा एवं सावधानियां रखकर सुरक्षित दीपावली मनाएं। उन्होंने सभी पटाखा व्यवसायियों से अपील की है कि वे बिजली लाइन के नीचे, ट्रांसफार्मर के नीचे या उससे सटाकर दुकान न लगाएं क्योंकि इससे दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। छोटी सी असावधानी बड़ी दुर्घटना का रूप ले सकती है। नागरिकों से भी अनुरोध किया है कि वे पटाखे व आतिशबाजी का प्रदर्शन बिजली लाइनों के नीचे व आसपास न करें।

दीपावली पर्व पर प्रकाशीय साज-सज्जा के लिये उपभोक्ता अपने परिसर में विद्यमान बिजली कनेक्शन से स्वीकृत भार के अनुसार ही बिजली का उपयोग करें। बिना स्वीकृति के अतिरिक्त भार की वृद्धि एवं सीधे तार डालकर विद्युत अनधिकृत उपयोग नहीं करें। बिजली चोरी अथवा बिना स्वीकृति के संयोजित भार में वृद्धि अवैधानिक है और इसके लिए बिजली अधिनियम 2003 में जुर्माने का प्रावधान है।

मिठाई, मूर्तियां, साज-सज्जा, बर्तन व्यापारी, पटाखों की दुकाने एवं दीपावली पर्व से जुड़ी अन्य सामग्री के विक्रय के लिये लगाए जाने वाली अस्थाई दुकानों के प्रकाश व्यवस्था के लिये व्यापारी बंधुओं से अनुरोध किया गया है कि वे नियमानुसार अस्थाई कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें।

तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 को जनांदोलन बनाएं : शुक्ल

युवाओं को लत से बचाना सामूहिक जिम्मेदारी, आज से 26 दिसंबर तक संचालित होगा 60 दिवसीय अभियान

भोपाल (ब्यूरो)



भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेशवासियों से तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि तंबाकू और निकोटीन की लत युवाओं के स्वास्थ्य, क्षमताओं और भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है। बच्चों और युवाओं को इस लत से बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान का उद्देश्य युवाओं को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 को केवल सरकारी अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे बच्चों के स्वस्थ भविष्य और समाज की सुरक्षा से जुड़े जनआंदोलन का स्वरूप देना आवश्यक है। इसके लिए युवाओं, अभिभावकों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों और सामाजिक संगठनों को सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। यह सुनिश्चित करना होगा कि बच्चे और युवा तंबाकू उत्पादों के प्रलोभन या दबाव का शिकार न बनें।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रत्येक विद्यालय और महाविद्यालय को तंबाकू मुक्त बनाने तथा हर गाँव को तंबाकू मुक्त गाँव की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए। ग्राम सभाओं, ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता विकसित की जाए। तंबाकू नियंत्रण संबंधी नियमों के पालन में भी सभी संबंधित संस्थाओं और नागरिकों की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। उन्होंने 28 अक्टूबर से 26 दिसंबर 2026 तक संचालित होने वाले 60 दिवसीय अभियान को सफल बनाने के लिए संबंधित विभागों और जिला प्रशासन से समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तंबाकू छोड़ने के इच्छुक व्यक्तियों को आवश्यक परामर्श एवं सहायता उपलब्ध कराने के लिए तंबाकू व्यसन मुक्ति केंद्रों और राष्ट्रीय तंबाकू क्विटलाइन की सेवाओं के संबंध में भी जागरूकता बढ़ाई जानी चाहिए। इसके लिए राष्ट्रीय तंबाकू क्विटलाइन नंबर 1800-11-2356 पर संपर्क किया जा सकता है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रदेशवासियों से अपने घर, विद्यालय, गाँव और शहर को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि तंबाकू के सेवन को सामान्य मानने वाली सोच में बदलाव लाना समय की आवश्यकता है। जागरूक युवा स्वस्थ परिवार की नींव है और तंबाकू मुक्त गाँव स्वस्थ मध्यप्रदेश की पहचान है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि स्वस्थ युवा, तंबाकू मुक्त गाँव, सशक्त मध्यप्रदेश और तंबाकू मुक्त भारत का लक्ष्य सामूहिक प्रयासों और जनभागीदारी से ही प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की घोषणा के अनुरूप नक्सल प्रभावित 100 गांवों के सर्वांगीण विकास की कार्ययोजना तैयार

भोपाल (ब्यूरो)

100 गांवों को क्लस्टर में बांटकर सौंपी जिम्मेदारी

जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित 100 गांवों को अलग-अलग क्लस्टर में विभाजित किया गया है। सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों से संवाद करने और अपने-अपने विभाग से संबंधित आवश्यकताओं की जानकारी जुटाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अधिकारियों को 14 दिनों के भीतर सभी चिन्हित गांवों का भ्रमण पूरा करने, ग्रामीणों से चर्चा करने तथा आवश्यक विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान गांवों में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं की स्थिति, ग्रामीणों की आवश्यकताओं और आजीविका के संभावित साधनों का आकलन किया जा रहा है। इससे प्रत्येक गांव की जरूरत के अनुसार विकास कार्यों की प्राथमिकताएं निर्धारित करने में मदद मिलेगी।

भोपाल। बालाघाट जिले से नक्सलवाद के खात्मे के बाद अब नक्सल प्रभावित रहे गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन ने व्यापक स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर जिले के 100 चिन्हित गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इन गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन और वन उपज आधारित आजीविका के अवसर विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 29 अगस्त 2026 को बालाघाट जिले के बैगा जनजाति बहुल एवं पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों का भ्रमण कर विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के लोगों से संवाद किया था। इस दौरान उन्होंने इन क्षेत्रों के 100 गांवों के समग्र विकास के लिए 225 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस पहल का उद्देश्य लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहे गांवों में विकास की गति तेज करना, ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा स्थानीय युवाओं एवं परिवारों के लिए रोजगार और आजीविका के स्थायी अवसर विकसित करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की घोषणा के क्रियान्वयन के लिए बालाघाट जिला प्रशासन ने कार्ययोजना तैयार करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। इसके अंतर्गत चिन्हित 100 गांवों में उपलब्ध सुविधाओं, विकास की आवश्यकताओं और ग्रामीणों की समस्याओं का आकलन किया जा रहा है।

बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर रहेगा विशेष जोर : चिन्हित गांवों की विकास कार्ययोजना में सड़क, सिंचाई, स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली और शिक्षा जैसी आवश्यक सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन को बेहतर बनाने, कृषि कार्यों के लिए सिंचाई की उपलब्धता बढ़ाने, पेयजल की समस्या दूर करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं और शैक्षणिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में आवश्यकताओं का आकलन किया जा रहा है।



सऊदी अरब में फंसे 4 हजार जायरीनों की वतन वापसी का मुद्दा मुख्यमंत्री तक पहुंचा

भोपाल (ब्यूरो)

भोपाल। मध्य-पूर्व में जारी तनाव और उड़ानों के प्रभावित होने के कारण सऊदी अरब में फंसे भारतीय जायरीनों की स्वदेश वापसी का मुद्दा अब मध्यप्रदेश सरकार के समक्ष प्रमुखता से उठाया गया है। सऊदी अरब में उमराह करने गए देशभर के करीब 4 हजार यात्रियों की सुरक्षित वापसी को लेकर मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने पहल की है।

मंगलवार को डॉ. सनवर पटेल ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की और जायरीनों की स्थिति से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मध्यप्रदेश के करीब 300 जायरीनों के भी वहां फंसे होने की जानकारी दी गई है।

■ **उमराह यात्रियों के सामने रुकने और उड़ान की चुनौतियां :** सऊदी अरब में उमराह के लिए गए यात्रियों की वापसी उड़ानें प्रभावित होने से वे वहां अटक गए हैं। इससे न केवल स्वदेश लौटने में अनिश्चितता बनी हुई है, बल्कि उनके सामने वहां ठहरने, भोजन और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को लेकर भी समस्याएं खड़ी हो रही हैं। वक्फ बोर्ड अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि यात्रियों को सुरक्षित भारत वापस लाने के लिए केंद्र सरकार और विदेश मंत्रालय के स्तर पर आवश्यक प्रयास किए जाएं तथा प्रभावित यात्रियों को तात्कालिक सहायता दी जाए।

■ **मुख्यमंत्री ने दिया पूर्ण सहयोग का भरोसा :** मुख्यमंत्री ने ज्ञापन पर संवेदनशीलता व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार जायरीनों को मानवीय आधार पर हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सकुशल और जल्द वतन वापसी सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों और केंद्रीय एजेंसियों के समन्वय से आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

त्योहारों पर अग्नि सुरक्षा के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने जारी किए निर्देश

संवेदनशील स्थलों और पंडालों में तैनात रहेंगे अग्निशमन वाहन

भोपाल (ब्यूरो)

भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय द्वारा आगामी त्यौहारों एवं पर्वोत्सवों के दृष्टिगत प्रदेशभर में जन-धन की सुरक्षा तथा अग्नि दुर्घटनाओं की प्रभावी रोकथाम के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास संकेत भोंडवे ने समस्त कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि त्यौहारों के दौरान आयोजित होने वाले धार्मिक, सामाजिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों, मेलों तथा बाजारों में जनसमूह की संभावित उपस्थिति को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए जाएँ।

जारी निर्देशों के अनुसार, जिला प्रशासन को संबंधित नगरीय निकायों, पुलिस विभाग, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं तथा अन्य सम्बद्ध विभागों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित कर कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रमुख धार्मिक स्थलों, पूजा पंडालों, मेला प्रांगणों एवं भीड़भाड़ वाले व्यावसायिक क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार अग्निशमन वाहनों एवं प्रशिक्षित अग्निशमन कर्मियों की तैनाती अनिवार्य रूप से की जाएगी। साथ ही, आयोजन स्थलों पर स्थापित किए जाने वाले अस्थायी पंडालों, मंचों एवं संरचनाओं में ज्वलनशील सामग्रियों के उपयोग पर सख्ती से नियंत्रण रखने तथा विद्युत व्यवस्था की गहन जाँच कर खुले तारों व ओवरलोडिंग को तत्काल दुरुस्त करने के कड़े निर्देश जारी किए गए हैं।

नियमों का उल्लंघन होने पर होगी तत्काल कार्यवाही

आयुक्त भोंडवे ने बताया कि त्यौहारों के उल्लास एवं पवित्रता के बीच आमजन की सुरक्षा सर्वोपरि है। इसके लिए सभी आयोजन स्थलों पर आपातकालीन वाहनों के सुगम आवागमन के लिए मार्गों एवं निकास द्वारों को सर्वदा अवरोधमुक्त रखा जाएगा। इसके अतिरिक्त, आतिशबाजी विक्रय स्थलों, अस्थायी दुकानों एवं भीड़भाड़ वाले बाजारों का समय-समय पर प्रशासनिक दलों द्वारा निरीक्षण किया जाएगा। आयोजकों को अग्निशामक यंत्र, रेत एवं जल की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के साथ आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र के संबंध में प्रशिक्षित किया जाएगा। नगरीय प्रशासन संचालनालय द्वारा समस्त संभागीय संयुक्त संचालक, नगर निगम आयुक्तों एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्राधिकार में सतत् निगरानी व नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। नियमों के अनुपालन में किसी भी प्रकार की शिथिलता अथवा सुरक्षा मानकों में कमी पाए जाने पर नियमानुसार तत्काल सुधारात्मक कार्यवाही की जाएगी, जिससे त्यौहारों के इस पावन अवसर पर किसी भी अप्रिय दुर्घटना की संभावना को शून्य किया जा सके।

मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के परिवहनकर्ताओं को बड़ी राहत

मप्र में राशन परिवहन की दरें बढ़ीं, जून 2026 से मिलेगा लाभ

भोपाल (ब्यूरो)



भोपाल। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के तहत राशन सामग्री का परिवहन करने वाले परिवहनकर्ताओं को बढ़ती ईंधन लागत से राहत देने के लिए परिवहन दरों में वृद्धि को मंजूरी दे दी गई है। डीजल और डीजल एग्जॉस्ट फ्लूइड (डीईएफ) की कीमतों में बढ़ोतरी के आधार पर खाद्यान्न परिवहन की सेक्टरवार दरों में संशोधन किया गया है। प्रस्ताव के अनुसार, परिवहन व्यय में औसतन 0.6522 रुपये यानी करीब 65 पैसे प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। संशोधित दरों का लाभ जून 2026 से दिया जाएगा।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत प्रदेश में लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत आवंटित राशन सामग्री को प्रदाय केंद्रों से उचित मूल्य दुकानों तक पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना लागू है। राजपूत ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के परिवहनकर्ताओं द्वारा विगत कई महीनों से परिवहन दरों में वृद्धि की मांग की जा रही थी।

डीजल 93.90 से बढ़कर 99.64 रु. प्रति लीटर

नई दरों के निर्धारण में डीजल की कीमत 93.90 रुपये से बढ़कर 99.64 रुपये प्रति लीटर और डीईएफ की कीमत 77 रुपये से बढ़कर 91 रुपये प्रति लीटर है। ईंधन की इन बढ़ी हुई दरों के कारण वाहनों के संचालन पर होने वाले अतिरिक्त व्यय के आधार पर विभिन्न सेक्टरों की परिवहन दरों में संशोधन किया गया है। दरों के संशोधन के लिए खाद्य विभाग द्वारा गठित विभागीय समित के द्वारा अनुमोदन के बाद उक्त दरों को बढ़ाने का प्रस्ताव किया गया है। परिवहन व्यय की गणना निर्धारित सूत्र के अनुसार की गई है। इसमें ईंधन की खपत और दूरी के साथ खाद्यान्न परिवहन की मात्रा को भी ध्यान में रखा गया है।

कछुओं की तस्करी के आरोपी की जमानत याचिका दूसरी बार निरस्त

भोपाल। दुर्लभ प्रजाति के संरक्षित कछुओं की अंतर्राज्यीय तस्करी के आरोपी बिलाल कादरी शाह की जमानत याचिका इंदौर के जिला एवं सत्र न्यायालय ने दूसरी बार निरस्त कर दी है। न्यायालय ने जमानत देने पर आरोपी द्वारा साक्ष्यों को प्रभावित किए जाने की आशंका को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स, मध्यप्रदेश की क्षेत्रीय इकाई इंदौर ने संरक्षित प्रजाति के कछुओं की तस्करी करने वाले गिरोह के विरुद्ध कार्रवाई की थी। इस दौरान दो आरोपियों से दुर्लभ प्रजाति के 30 कछुए जब्त किए गए थे। इस मामले में 19 अगस्त 2026 को वन अपराध प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। अब तक 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है।

युवाओं के भरोसे भारत का लोकतंत्र सुरक्षित : डॉ. यादव

भोपाल (ब्यूरो)

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ युवा संवाद कार्यक्रम 2026



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार ने पहली बार मध्यप्रदेश में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एम.पी.पी.एस.सी) की परीक्षा दो बार आयोजित करने का निर्णय लिया है। युवाओं का सम्मान, उनकी बेहतरी और उन्हें अधिकाधिक रोजगार देने के लिए सरकार सभी आवश्यक कदम उठा रही है। प्रदेश में 2027 युवा वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को रायसेन रोड स्थित ओरिएंटल कॉलेज में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ युवा संवाद- 2026 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में राज्यमंत्री कृष्णा गौर विशेष रूप से उपस्थित थीं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बड़े भाई की भूमिका में युवाओं से संवाद किया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कॉलेज परिसर पहुंचने पर एनसीसी और एनएसएस के विद्यार्थियों ने उनका सलामी देकर स्वागत किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य दिव्य धाम बनकर तैयार है। भारत दुनिया का सबसे युवा और सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। युवाओं के भरोसे ही भारत का लोकतंत्र सुरक्षित है और रहेगा। अमृतकाल में जब वर्ष 2047 में देश की आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होंगे, तो भारत दुनिया का सबसे शक्तिशाली, समृद्ध और हर क्षेत्र में नम्बर एक देश बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्रों से निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया, नागरिकों के मताधिकार, वोटर लिस्ट और चुनाव आयोग की भूमिका पर संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मतदाता सूची की जानकारी सही हो और चुनाव की शुद्धता के उद्देश्य से चुनाव आयोग ने एसआईआर सहित आवश्यक कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एशियन गेम्स में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 11 पदक अर्जित किए। इनमें से 5 स्वर्ण पदक हैं। राज्य सरकार युवाओं को खेल के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ा रही है।

कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति, ओरिएंटल कॉलेज के अध्यक्ष प्रवीण ठकराल, शिक्षक, स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थीं।

जुए की फड़ पर कार्रवाई, संचालकों को बचाने में गई थाना प्रभारी की कुर्सी

- **70 से ज्यादा प्लास्टिक टोकन और 11,100 रुपए बरामद**
- **संचालक और मैनेजर को आरोपी नहीं बनाने पर कार्रवाई।**

भोपाल (ब्यूरो)

राजधानी के कस्तूरी गार्डन में सुनियोजित तरीके से चल रहे जुआ घर की कार्रवाई के बाद कटारा हिल्स थाने के प्रभारी सुनील दुबे को निलंबित कर दिया गया। दरअसल, गार्डन में पुलिस की टीम ने दबिश देकर सौलह जुआरियों को दबोचा था। इस पुलिस की टीम ने उप निरीक्षक कुशलेंद्र सिंह बघेल के नेतृत्व में दबिश दी थी। पुलिस ने यहां से मिसरोद निवासी 32 वर्षीय अंकित सिंह, 46 वर्षीय रुप सिंह, 42 वर्षीय हर्षवर्धन यादव, नर्मदापुरम निवासी 34 वर्षीय बेअंत सिंह, मंडीदीप निवासी 35 वर्षीय नितेश ठाकुर, 48 वर्षीय नरेंद्र माहेश्वरी, अग्रवाल, जबलपुर निवासी 39 वर्षीय बादल सिंह और जिला यमुना नगर निवासी 34 वर्षीय दीपक कुमार को गिरफ्तार किया था। आरोपियों के कब्जे से 70 से अधिक प्लास्टिक टोकन मिले थे। इसके अलावा तेरह ताश पत्तों की गड्डियां भी बरामद हुई थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब दो दर्जन मोबाइल भी जब्त किए थे। पुलिस ने नकदी 11100 रुपए बरामद की थी। यह अड्डा कस्तूरी गार्डन में बने रिसोर्ट के भीतर चल रहा था। जिसके संचालक जगदीश ठाकुर हैं। इस मामले में उनकी संदिग्ध भूमिका भी थी। क्योंकि अधिकारियों को प्राथमिक जांच में पता



सच्चे दिन
निडर • निष्पक्ष • निर्भीक
सच्चे दिन
दि डेली हिंदी न्यूज़पेपर | स्थापित 2021
सच्चे दिन अखबार के लिए पत्रकारों की आवश्यकता
मध्य प्रदेश के हर जिले से अनुभवी पत्रकारों की आवश्यकता
आवश्यकता का विवरण
• पद: जिला संवाददाता / क्षेत्रीय पत्रकार
• स्थान: मध्य प्रदेश के सभी 52 जिलों में
• अनुभव: पत्रकारिता में न्यूनतम 2 वर्ष का अनुभव
• योग्यता: हिंदी में लेखन, रिपोर्टिंग और समाचार संकलन में कुशल
हम क्या चाहते हैं
• स्थानीय समाचारों की सटीक और निष्पक्ष रिपोर्टिंग
• क्षेत्रीय घटनाओं पर गहन कवरेज और विश्लेषण
• डिजिटल/प्रिंट मीडिया में कार्य अनुभव को प्राथमिकता
"जनता की आवाज, जवाबदेह व्यवस्था की पहल"
हमारा उद्देश्य — प्रदेश के हर जिले से जनता की आवाज को सच्चाई और निष्पक्षता के साथ प्रस्तुत करना
संपर्क करें:
7049734046
आवेदन हेतु संपर्क करें
सोमवार से शनिवार | सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक
इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडेटा/प्रोफ़ाइल भेजें:
hr@sachedinnews.in | www.sachedinnews.in
नोट: केवल योग्य और अनुभवी पत्रकार ही संपर्क करें | आवेदन शीघ्र करें

दैनिक सच्चे दिन
वर्ष 6 • अंक 2147 • गुरुवार, 23 सितम्बर 2026
भोपाल बोलेगा, सच्चे दिन छपेगा
सच्ची खबर • जनहित की आवाज
संपर्क: 7049734046
ईमेल: info@dainiksacchedin.in
अपनी खबर भेजें
विश्वसनीय • निष्पक्ष • त्वरित
© दैनिक सच्चे दिन | भोपाल संस्करण | www.dainiksacchedin.in

स्वात्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक , प्रकाशक **साहबजादा अब्दुल रशीद खान** द्वारा आर.के. एण्ड प्रिंटर्स 7 नीम वाली सड़क जिंसी जहांगीराबाद भोपाल म.प्र.482008 से मुद्रित तथा 424, मेहंदी वालीगली, तलैया भोपाल म.प्र. 462001 से प्रकाशित।
सम्पादक- अज़रा बैगम (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।) RNI No. MPHIN/2021/82412